राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार 17 जुलाई 2025
वर्ष 14, अंक 98, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सर्पदंश से 80 वर्षीय बुजुर्ग की मौत, इलाज के अभाव में नहीं बच सकी जान..03

रेस्टोरेंट संचालक ने रोड के किनारे जनरेटर रखकर किया अतिक्रमण..04

बिहार में डबल इंजन खराब, नीतीश नहीं बल्कि कोई और चला रहा सरकार

स्वतंत्र प्रभात

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने बिहार में शिक्षा व्यवस्था की स्थिति तथा अपराध की हालिया घटनाओं को लेकर मंगलवार को प्रदेश की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नहीं, बल्कि कोई और चला रहा है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि बिहार में 'डबल इंजन 'पूरी तरह से खराब हो गया है तथा राज्य की मौजूदा स्थिति में "अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी, टके सेर खाजा" की कहावत चरितार्थ हो रही है।

हम बिहार सरकार से मांग करते हैं कि... - कन्हैया कुमार

कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रभारी कन्हैया कुमार ने बिहार में शिक्षा की स्थिति का उल्लेख करते हुए संवाददाताओं से कहा, ''बिहार से एक अजीब घटना सामने आई, जहां (पटना विश्वविद्यालय के) कुछ कॉलेज के प्राचार्यों की नियुक्ति लॉटरी के माध्यम से की गई, जिसके बाद महिला कॉलेज में भी पुरुष प्राचार्य बना दिए गए। इसके बाद कुलपति ने कहा कि बड़े-बड़े लोगों की सिफारिश आती है, इसलिए हमें लॉटरी निकालनी पड़ी।" उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था मनमाने तरीके से चल रही है तथा "कट-कमीशन का सिस्टम" का हावी है।

कुमार का कहना था, ''आप किसी भी कॉलेज में छात्रों की संख्या देखेंगे तो स्थिति का पता पता चलेगा। यदि चार कमरों का कॉलेज है तो हजारों छात्रों का पंजीकरण किया गया है। मतलब पैसा दीजिए, डिग्री लीजिए।"कुमार ने कहा, "हम बिहार सरकार से मांग करते हैं कि राज्य में शिक्षा की दुर्दशा को देखते हुए तुरंत उचित कदम उठाए जाएं, अन्यथा युवा इस सरकार को बदलने के लिए तैयार हैं।"

बिहार में ऐसा कोई शहर नहीं है, जहां गोलियां न चल रही...कन्हैया कुमार

बिहार में अपराध की हालिया घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसा कोई शहर नहीं है, जहां गोलियां न चल रही हों। कांग्रेस नेता ने कहा, "अपराधी खुले तौर पर अपराध कर रहे हैं और बिहार के उप मुख्यमंत्री (सम्राट चौधरी) बेशर्मी के साथ कहते हैं कि संगठित अपराध खत्म हो गया है। बिहार में जो अपराध की स्थिति है, उससे पता चलता है कि ये "डबल इंजन" एक-दूसरे की उल्टी दिशा में चल रहे हैं।" उन्होंने दावा किया, "यह नीतीश कुमार का, सरकार चलाने का तरीका नहीं है। इससे साफ है कि नीतीश कुमार नहीं, बल्कि कोई और सरकार चला रहा है।" कुमार ने कहा, "मैं बिहार के लोगों से कहना चाहता हूं, जिस सरकार को आपकी चिंता न हो, उसकी कुर्सी छीन लीजिए।"

मेन गेट का ताला तोड़कर PNB बैंक के अंदर घुसे बदमाश... समय पर पहुंची पुलिस, लॉकर तोड़ते 3 गिरफ्तार

शाहजहांपुर - जिले के थाना कांट क्षेत्र में बुधवार पंजाब नेशनल बैंक में घुसकर लाकर तोड़ते हुए एक नाबालिग सहित 3 चोरों को मौके से गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से एक अवैध तमंचा भी बरामद हुआ है।

बैंक के मेन गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़ा, फिर...

पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि थाना कांट क्षेत्र के गांव पिपरौला कृभको श्याम फर्टिलाइजर लिमिटेड खाद फैक्ट्री के आवासीय परिसर में स्थित पंजाब नेशनल बैंक में चोरी करने के मकशद से पहले पीछे से दीवार काट कर बैंक परिसर में घुसने की कोशिश की गई। जब उसमें चोर कामयाब नहीं हुए तो चोरों ने बैंक के मेन गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ने के बाद शटर का ताला तोड़ कर दो लोग बैंक के अंदर घुस गए और एक बाहर रखवाली करने लगा। उन्होंने बताया कि चोर बैंक में रखे रूपये का लाकर तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। गश्त कर रही पुलिस को कुछ शक हुआ तो बैंक के बाहर रखवाली कर रहे एक व्यक्ति को पकड़ लिया और बैंक के पास जाकर देखा तो मेंन शटर के ताले टूटे थे, अंदर जाकर देखा तो दो लोग बैंक का लाकर तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। द्विवेदी ने बताया कि पुलिस को देखते ही चोरों ने भागने का प्रसार किया लेकिन पुलिस नाबालिक सहित तीनों चोरों इच्छाराम (23) और शंकर को बैंक के अंदर ही दबोच लिया। इनके पास से एक अवैध तमंचा भी बरामद हुआ है। तीनों चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

सरकार की नीयत पर भारी शक, मौलाना कौसर हयात ने छांगुर बाबा केस को बताया मुसलमानों को बदनाम करने की साजिश!

स्वतंत्र प्रभात

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मौलाना कौसर हयात खान ने जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ सरकार की कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा पर सवाल उठते हैं, क्योंकि अगर किसी के पास अवैध पैसा आ रहा है तो इसके लिए पहले से मौजूद विभागों की नाकामी भी देखनी चाहिए। मौलाना ने कहा कि अगर किसी के पास अवैध पैसा है, तो विभाग क्या कर रहे थे? अचानक कार्रवाई कर मीडिया में इसे फैलाना क्या सिर्फ मीडिया ट्रायल नहीं है? मिली जानकारी के मुताबिक, मौलाना का कहना है कि देश में अदालतें और कानून का पूरा सिस्टम है। फिर भी बिना सबूत किसी पर 400-500 करोड़ रुपए के आरोप लगाना गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को कई सालों से इसकी जानकारी थी लेकिन उसने नजरअंदाज किया, जो उसकी बदनीयती दिखाता है।

मुसलमानों को बदनाम करने की साजिश

मौलाना कौसर हयात ने कहा कि यह कार्रवाई मुसलमानों को बदनाम करने की साजिश है। उनका कहना था कि अगर कोई दोषी है, तो सरकार को कोर्ट में सबूत पेश कर मुकदमा चलाना चाहिए। मकान तोड़ देना और मीडिया में बयान देकर बदनामी फैलाना गलत है। उन्होंने सरकार पर गलत तरीके से काम करने का आरोप लगाया।

धर्म परिवर्तन का अधिकार

धर्मांतरण के मुद्दे पर मौलाना ने कहा कि हर नागरिक का अधिकार है कि वह अपनी मर्जी से किसी भी धर्म को अपना सके। सरकार इसे रोक नहीं सकती। उन्होंने अवैध धर्मांतरण के आरोपों को सही मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि कई लोग गिरफ्तार किए गए लेकिन जबरदस्ती धर्म परिवर्तन के सबूत नहीं मिले। उन्होंने भाजपा सरकार पर बेवजह बदनाम करने और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, जिससे समाज में तनाव बढ़ रहा है।

घर वापसी को बताया असली अवैध धर्मांतरण

मौलाना ने कहा कि 'घर वापसी 'के नाम पर लोगों को दबाव में धर्मांतरण करवाना असली अवैध धर्मांतरण है। उन्होंने जोर दिया कि कानून के तहत किसी भी धर्म का प्रचार करने की पूरी आजादी है। इस्लाम की अच्छाइयों को बताना उनका अधिकार है, जैसे कि ईसाई धर्म भी अपने धर्म का प्रचार कर सकता है। इसे रोकना तानाशाही होगा।

संक्षिप्त ख़बरें

ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत पर भड़के परिजन- अस्पताल में की तोड़फोड़, डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप

सदर कोतवाली क्षेत्र के चूर्क मोड स्थित पंचशील हॉस्पिटल में मंगलवार को ट्यूमर ऑपरेशन के दौरान 33 वर्षीय महिला की मौत हो गई मौत हो जाने के बाद जमकर परिजनों ने जमकर हंगामा शुरू किया परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हालात काबू करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। मिली जानकारी के अनुसार मिर्जापुर जनपद के मड़ीहान निवासी अरविंद की पत्नी इंदु (33वर्षीय) मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे ट्यूमर का ऑपरेशन के लिए पंचशील हॉस्पिटल पहुंची थीं। परिजनों के अनुसार महिला का ऑपरेशन शाम चार बजे शुरू किया गया, लेकिन देर शाम तक जब कोई जानकारी नहीं मिली तो उन्हें शक हुआ। स्थिति बिगड़ने पर डॉक्टरों ने मरीज को रेफर करने की बात कही। इस पर परिजन जबरन अस्पताल के भीतर घुस गए, जहां उन्हें पता चला कि इंदु की मौत हो चुकी है। जैसे ही मौत की जानकारी परिजनों को हुई,परिजन आक्रोशित हो उठे और अस्पताल परिसर में जमकर तोड़फोड़ की। परिजनों के बढ़ते हंगामे और गुस्से को देखकर अस्पताल के डॉक्टर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर एएसपी, सीओ सिटी, सीओ सदर समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। मामले की जांच पड़ताल में जुट गए हैं।

जाँच में हत्या की सूचना मिली निराधार

देवरिया। जनपद के महुआडीह थाना क्षेत्रान्तर्गत एक पिता द्वारा अपनी लड़की की हत्या कर शव को जला देने के मामले में क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि मेरे द्वारा मौके पर जाकर जाँच किया गया है। वह लड़की 18 नवम्बर 2023 को धान पसारते समय छत से गिर गई थी, जिसके कारण उसके रीड़ में चोट लग गई थी, उसका इलाज बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज गोरखपुर से चल रहा था। लगभग 10 दिन पहले से उसने खाना-पीना व दवा खाना छोड़ दिया था, जिसके कारण उसका शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य बेहद खराब हो गया था। मंगलवार की सुबह 10 बजे के करीब उसकी मृत्यु हो गई, जिसका अन्तिम संस्कार गांव वालों ने किया है। हत्या कर देने की सूचना पूरी से निराधार है।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा को मिलेगी मौत ! फिलहाल फांसी टली लेकिन...

स्वतंत्र प्रभात

यमन की जेल में मौत की सजा काट रहीं केरल की नर्स निमिषा प्रिया को फिलहाल थोड़ी राहत तो मिली है, लेकिन उनका भविष्य अभी भी अधर में लटका है। 16 जुलाई को तय फांसी को भारत सरकार, सऊदी एजेंसियों और धार्मिक नेताओं की कोशिशों से टाल तो दिया गया है , लेकिन मृतक के परिवार ने साफ कह दिया है कि इस हत्या को कभी माफ नहीं करेंगे ।फिलहाल राहत बस इतनी है कि फांसी पर रोक लगी है। लेकिन अंतिम फैसला मृतक परिवार के हाथ में है। अगर वे ब्लड मनी लेने को तैयार होते हैं तभी निमिषा की जान बच सकती है। भारत सरकार और धार्मिक संगठन पूरे दम से मध्यस्थता कर रहे हैं ।

क्या है पूरा मामला?

2017 में निमिषा प्रिया पर यमन के नागरिक और उनके बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो मेहदी की हत्या का आरोप लगा। कोर्ट ने उन्हें 2018 में दोषी ठहराया और 2020 में मौत की सजा सुनाई, जिसे यमन की सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने नवंबर 2023 में भी बरकरार रखा। 16 जुलाई को निमिषा को फांसी दी जानी थी, लेकिन ऐन मौके पर भारत सरकार, धार्मिक नेताओं और सऊदी अरब के प्रयासों से इसे रोक दिया गया।

मृतक के भाई का सख्त रुख

मृतक तलाल के भाई अब्देलफत्ताह मेहदी ने साफ कर दिया है "इस हत्या के लिए कोई माफी नहीं है।" उन्होंने भारतीय मीडिया पर भी आरोप लगाया कि निमिषा को 'मासूम पीड़िता' की तरह पेश किया जा रहा है, जबकि सच्चाई कुछ और है। यमन के शरिया कानून में हत्या के मामले में 'ब्लड मनी' यानी वित्तीय मुआवजे के बदले माफी दी जा सकती है। लेकिन यह तभी होगा जब मृतक परिवार इसके लिए राजी होगा। अभी परिवार ने कोई नरमी नहीं दिखाई है। हालांकि, केरल के अरबपति एम. ए. यूसुफ अली ने जरूरत पड़ने पर ब्लड मनी देने में मदद का वादा किया है।

धार्मिक नेताओं ने संभाली कमान

भारत से गए ग्रैंड मुफ्ती कंथापुरम ए.पी. अबूबकर मुसलियार ने यमन में अधिकारियों और मृतक परिवार से बात कर फांसी रुकवाने में अहम भूमिका निभाई। केरल सीपीआई-एम के सचिव एम. वी. गोविंदन ने भी मुफ्ती से मिलकर हालात का जायजा लिया और कहा कि बातचीत आगे भी जारी रहेगी।

कैसे फंसी निमिषा?

निमिषा 2008 में नर्स के तौर पर यमन गई थीं। वहां उन्होंने क्लिनिक खोला। यमन के नियमों के तहत विदेशी नागरिक को स्थानीय साझेदार रखना जरूरी था इसके लिए तलाल मेहदी को पार्टनर बनाया। परिवार का दावा है कि मेहदी ने धोखाधड़ी की, पैसों पर कब्जा कर लिया और निमिषा को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया।2017 में निमिषा ने मेहदी को बेहोश कर पासपोर्ट वापस लेने की कोशिश की, लेकिन ओवरडोज से उसकी मौत हो गई। देश छोड़कर भागते वक्त निमिषा पकड़ी गई और हत्या के आरोप में जेल भेज दी गई।

भाभी, लक्ष्मी...और कितनी औरतें चाहिए? पिता की अय्याशी पर भड़के बेटे ने किया जानलेवा हमला

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां एक पिता और बेटे का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बेटा कह रहा है- 'किरण, लक्ष्मी, नेहा... ये और कितनी लड़कियां चाहिए? 'वहीं, पिता खून से लथपथ, नग्न अवस्था में जमीन पर पड़ा हुआ है।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना अलीगढ़ जिले के गांधी पार्क थाना क्षेत्र की है। जहां प्रॉपर्टी के लालच में बेटे ने अपने पिता पर जानलेवा हमला किया। आरोपी बेटे ने बाथरूम में नहा रहे पिता पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में पिता के दोनों पैर टूट गए और सिर में गंभीर चोटें आई। जब आसपास के लोग घर के अंदर से आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे, तो अंदर का नजारा देखकर सभी हैरान रह गए। पिता खून से लथपथ, नग्न हालत में जमीन पर पड़े थे। वहीं, बेटा अपने पिता के ऊपर गालियां और अपशब्द बोल रहा था। पुलिस को देखकर वह फरार हो गया।

अवैध संबंधों का आरोप

पड़ोसियों के अनुसार, इस घटना का एक बड़ा कारण अवैध संबंध भी हैं। उन्होंने बताया कि बेटा आकाश भारद्वाज (32 साल) अपने पिता गोपाल भारद्वाज पर आरोप लगा रहा है कि वह कई महिलाओं के साथ अवैध संबंध रखता है। बेटा कह रहा है, "बाबा, मैं कब तक खामोशी से सहूं? ये सब भाभी, नेहा, लक्ष्मी और अन्य महिलाएं आपसे जुड़ी हैं। ये सब बहुत गलत है।" वह कह रहा है कि पिता की मर्यादा अब खत्म हो चुकी है।

पिता का बयान

घायल पिता गोपाल भारद्वाज ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा आकाश जबरदस्ती प्रॉपर्टी अपने नाम करवाना चाहता था। जब उन्होंने मना किया, तो आकाश ने उन पर हमला कर दिया। गोपाल ने कहा कि, "आकाश मुझे जान से मारना चाहता था। अगर पड़ोसी समय पर नहीं आते, तो मेरी जान भी जा सकती थी।" उन्होंने पुलिस को तहरीर भी दी है, जिसमें बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मामले का वीडियो वायरल

इस पूरी घटना का वीडियो पड़ोसियों ने बना लिया और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि पिता खून से लथपथ, नग्न अवस्था में जमीन पर पड़ा है। वहीं बेटा अपने पिता के ऊपर गालियां और अपशब्द बोल रहा है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया है।

पुलिस की कार्रवाई

पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। घायल पिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पहले प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहीं, आरोपी बेटा फरार हो गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है। यह भी पता चला है कि इससे पहले भी बाप-बेटे के बीच लड़ाई-झगड़ा हो चुका है। पुलिस भी कई बार इन दोनों को समझाने की कोशिश कर चुकी थी, लेकिन मामला सुलझ नहीं पाया। अब इस बार प्रॉपर्टी के लालच में बेटे ने जानलेवा हमला किया है। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है। पुलिस ने कहा है कि आरोपी बेटे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उनकी काया अब हम लोगों के बीच नहीं रही किन्तु उनके कृत्य सदैव रहेंगे हमारे साथ - जयदीप

देवरिया। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष सदस्य उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी जयदीप त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रो. डॉ अरुणेश नीरन जी के स्वर्गवास पर शोक बैठक कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। शोकसभा को संबोधित करते हुए जयदीप त्रिपाठी ने कहा साहित्य के संत, स्नेह के सागर, बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य प्रो.डॉ.अरुणेश नीरन जी का आज परम धाम गमन के समाचार ने झंझोर दिया है। पहली बार उनका स्नेह लगभग 34/35 साल पहले मिला था। जीवन में आगे बढ़ते हुए उनके अनेकोनेक स्नेह भरे मार्गदर्शन मिलते रहे। आज उनकी काया अब हम लोगों के बीच नहीं रही किन्तु उनके कृत्य सदैव हमारे साथ रहेंगे। शोकसभा में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल रोशन, भरत मणि, संजीव मिश्रा,धर्मेंद्र पांडे, सुनील तिवारी, जुलेखा खातून, संदीप पांडे, नौशाद खान, रत्नेश मल्ल,शिव शंकर सिंह, आलोक त्रिपाठी, मनोज मणि, सच्चिदानंद मिश्र, रविंद्र मल्ल, अशोक गौड़, जयप्रकाश पाल, विनोद दुबे उपस्थित रहे।

आवारा कुत्तों का आतंक- 12 वर्षीय बालक को कुत्तों के झुंड ने नोच-नोचकर मार डाला

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में आवारा कुत्तों के आतंक एक बार फिर देखने को मिला है। यहां पर नानपारा तहसील के विकास खंड शिवपुर के थाना खैरीघाट के ग्राम खम्हरिया में 12 वर्षीय बालक को कुत्तों के झुंड द्वारा नोचकर घायल कर दिया है। इस घटना की जानकारी होने पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने सख्त रुख अपनाया है। संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी व मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को संयुक्त रूप से मौके की जांच करने और आवारा कुत्तों पर प्रभावी रोकथाम लगाने के निर्देश दिए हैं।

आदमखोर कुत्तों को पकड़ने की मांग की

जिलाधिकारी ने इस संबंध में अब तक कोई प्रभावी कार्यवाही न करने पर खण्ड विकास अधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी एवं पंचायत सचिव का वेतन बाधित करने का भी आदेश दिया है। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारियों एवं पशु चिकित्साधिकारियों को सचिव के माध्यम से आवारा कुत्तों को चिन्हित कर प्रभावी कार्यवाही के सम्बन्ध में पूर्व में अनेकों बार निर्देशित करने के बावजूद ऐसे प्रकरण संज्ञान में आने पर कड़ी अप्रसन्नता व्यक्त की है। देर रात कुत्ते के हमले में घायल मासूम की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिसके बाद ग्रामीणों ने क्षेत्र में घूम रहे आदमखोर कुत्तों को शीघ्र पकड़ने की मांग की है।

पंचायत चुनाव से पहले पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बंद जिम की छत पर अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, 7 तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

पंचायत चुनाव से पहले पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार फैक्ट्री का खुलासा किया है। इस मामले में 5 तस्करों सहित 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह फैक्ट्री गांव बावनखेड़ी अड्डे के पास बंद पड़े एक जिम के ऊपर लगे सोलर पैनल के नीचे छुपाकर चलाई जा रही थी। पुलिस ने यहां से बड़ी मात्रा में बने और अधबने हथियार बरामद किए हैं। इस सफलता के लिए एसपी अमित कुमार आनंद ने पुलिस टीम को 25 हजार रुपए नकद पुरस्कार भी दिया है।

पुलिस ने किया अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बीते मंगलवार दोपहर को एसपी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने शादाब अली और सुमित कुमार को गिरफ्तार किया है, जो गांव माछरा भगवानपुर के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से 1 रिवाल्वर (देशी 32 बोर), 5 तमंचे (315 बोर), 1 तमंचा (12 बोर), एक अधबना तमंचा (315 बोर), 50 बिना मार्का कारतूस और हथियार बनाने के उपकरण बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे अवैध हथियार बनाकर दीपक (मंझौला), वंश उर्फ गोलू (सरकड़ा), गौरव (रतनपुर कला), नागेंद्र (सूदनपुर), और अंकुश (हाफिजपुर) को बेचते थे। इन हथियारों को पंचायत चुनाव के लिए रखा गया था। इस मौके पर सीओ दीप कुमार पंत भी मौजूद थे।

तस्करों समेत 5 गिरफ्तार, चुनाव से पहले कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

बताया जा रहा है कि सुमित ग्रेजुएट है और रेलवे भर्ती की तैयारी कर रहा था, लेकिन पैसे के लालच में इस काम में जुड़ गया। शादाब अली 8वीं कक्षा तक पढ़ा-लिखा है। दोनों अपने परिचितों को हथियार 3 से 5 हजार रुपए में बेचते थे। पुलिस ने आरोपितों से हथियार खरीदने वाले तस्करों के नाम भी पता लगाए। गजरौला, रजबपुर और डिडौली पुलिस ने उन पांच तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से पांच तमंचे और 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए। यह पहला मौका नहीं है जब इस इलाके में अवैध हथियार फैक्ट्री पकड़ी गई हो। इससे पहले भी कई बार ऐसी फैक्ट्री पकड़ी जा चुकी है, जिनमें 2024 में डिडौली, 2020 और 2014 में आदमपुर, दो साल पहले सैदनगली और रहरा इलाके में छुपी फैक्ट्री शामिल हैं। यह कार्रवाई पंचायत चुनाव से पहले सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

डर के पीछे की सच्चाई: सांपों का संरक्षण क्यों ज़रूरी है?

[सांपों को जानें, डरें नहीं — यही जीवन रक्षा का मंत्र है]

जब सांप का नाम जहन में आता है, तो एक अनजाना डर, रहस्य की छाया और अनकही कहानियाँ मन को घेर लेती हैं। ये प्राणी, जो रात के सन्नाटे में फिसलते हैं और जंगलों की गहराइयों में छिपे रहते हैं, सदियों से मानवता के लिए भय और आकर्षण का केंद्र रहे हैं। फिर भी, हर साल 16 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व सर्प दिवस हमें इन प्राणियों को केवल डर की नज़र से नहीं, बल्कि प्रकृति के अभिन्न रक्षक के रूप में देखने की प्रेरणा देता है। सांप न तो केवल विषैले शिकारी हैं और न ही सिर्फ़ पौराणिक कथाओं के प्रतीक; ये धरती के उस नाजुक संतुलन का हिस्सा हैं, जिसके बिना हमारी खाद्य श्रृंखला, कृषि और जैव विविधता संकट में पड़ सकती है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सांपों की रक्षा करना केवल उनकी प्रजातियों को बचाना नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण और भविष्य को सुरक्षित करने का एक अनमोल कदम है। सांपों की दुनिया उतनी ही विविध और आश्चर्यजनक है, जितनी उनकी छवि रहस्यमयी है। विश्व भर में लगभग 3,700 सर्प प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से केवल 600 के आसपास ही विषैली हैं। इनमें से भी गिनी-चुनी प्रजातियाँ ही मानव जीवन के लिए ख़तरा बन सकती हैं। भारत, जो जैव विविधता का खजाना है, में लगभग 300 सर्प प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से चार–करैत, नाग (कोबरा), रसेल वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर–अत्यधिक विषैले हैं और सर्पदंश से होने वाली मृत्यु के लिए मुख्य रूप से ज़िम्मेदार हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आँकड़ों के अनुसार, हर साल वैश्विक स्तर पर लगभग 1.38 लाख लोग सर्पदंश के कारण अपनी जान गँवाते हैं, जिनमें से अधिकांश मामले अफ्रीका और एशिया के ग्रामीण क्षेत्रों से सामने आते हैं। भारत में यह संख्या और भी चिंताजनक है, जहाँ प्रतिवर्ष औसतन 50,000 लोग सर्पदंश से मरते हैं, जो विश्व में सबसे अधिक है। लेकिन यह सच्चाई भी उतनी ही महत्वपूर्ण है कि इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक मौतें समय पर चिकित्सा सुविधा और एंटीवेनम की उपलब्धता से रोकी जा सकती हैं। सर्पदंश से होने वाली अधिकांश मृत्यु का कारण अज्ञानता, अंधविश्वास और गलत उपचार हैं। ग्रामीण भारत में आज भी कई लोग झाड़-फूंक जैसे अवैज्ञानिक तरीकों पर निर्भर रहते हैं, जिससे अनमोल जीवन नष्ट हो जाते हैं। सांप प्रकृति के सबसे प्रभावी कीट नियंत्रक हैं। ये चूहों और छोटे कृन्तकों को खाकर उनकी आबादी को नियंत्रित करते हैं, जो फसलों और अनाज भंडारों के लिए बड़ा ख़तरा हैं। उदाहरण के लिए, एक रैट स्नेक (धामिन) एक साल में हज़ारों चूहों को खा सकता है। अमेरिका में कॉर्न स्नेक और किंग स्नेक को किसान अपने खेतों का मित्र मानते हैं, क्योंकि ये कृन्तकों और कीटों की संख्या को नियंत्रित रखते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, यदि सांपों की आबादी में कमी आती है, तो चूहों और कीटों की बाढ़ से वैश्विक खाद्य उत्पादन को भारी नुकसान हो सकता है, जिससे खाद्य संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। पारिस्थितिकी वैज्ञानिक सांपों को "इकोलॉजिकल बैलेंसर"कहते हैं, क्योंकि ये खाद्य श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। सांपों के बिना यह कड़ी टूट सकती है, जिसका प्रभाव पूरी जैव विविधता पर पड़ता है। सांपों का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व भी गहरा है। प्राचीन मिस्र में कोबरा को राजशक्ति और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता था, और फराओ के मुकुट पर कोबरा की आकृति उकेरी जाती थी। भारत में सांपों का धार्मिक महत्व और भी व्यापक है। हिंदू धर्म में नागों की पूजा प्राचीन काल से चली आ रही है। महाभारत और पुराणों में शेषनाग और वासुकि जैसे नागराजों का उल्लेख मिलता है, जो शक्ति, ज्ञान और पुनर्जनन के प्रतीक हैं। नाग पंचमी जैसे पर्व इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय संस्कृति में सांप पूजनीय हैं। लेकिन विडंबना यह है कि एक ओर सांपों की पूजा होती है, वहीं दूसरी ओर इन्हें डर और अंधविश्वास के कारण मार दिया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सांपों को देखते ही मार डालने की प्रवृत्ति आम है, जो न केवल सांपों के लिए ख़तरा है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। विश्व सर्प दिवस का उद्देश्य सांपों के प्रति भ्रांतियों को दूर करना और उनके संरक्षण को बढ़ावा देना है। तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण, जंगलों की कटाई और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग सांपों के प्राकृतिक आवास को नष्ट कर रहा है। अवैध वन्यजीव व्यापार ने भी कई सर्प प्रजातियों को विलुप्त होने की कगार पर खड़ा किया है। भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत अधिकांश सर्प प्रजातियाँ संरक्षित हैं, फिर भी जागरूकता की कमी के कारण लोग सांपों को मारने से संकोच नहीं करते। विशेषज्ञों का कहना है कि सर्पदंश के 70 प्रतिशत मामले तब होते हैं, जब लोग सांपों को छेड़ते हैं या पकड़ने की कोशिश करते हैं। सांप स्वाभाविक रूप से आक्रामक नहीं होते; वे केवल आत्मरक्षा में हमला करते हैं। इसलिए, सांपों के प्रति हमारी सोच में बदलाव लाना अत्यंत आवश्यक है। सांपों के संरक्षण के लिए ठोस और सामूहिक प्रयासों की ज़रूरत है। स्कूलों और ग्रामीण समुदायों में सांपों के महत्व, उनके व्यवहार और सर्पदंश के सही उपचार के बारे में जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में एंटीवेनम उपलब्ध कराया जाना चाहिए। भारत जैसे देश में, जहाँ सर्पदंश की घटनाएँ अधिक हैं, प्रशिक्षित 'स्नेक रेस्क्यू टीम' का गठन आवश्यक है, जो सांपों को सुरक्षित पकड़कर उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ सकें। साथ ही, मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से सांपों को ख़तरनाक शिकारी के बजाय प्रकृति के सहायक के रूप में प्रस्तुत करने की ज़रूरत है। सांपों के बारे में सही जानकारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने से न केवल सर्पदंश की घटनाओं को कम किया जा सकता है, बल्कि सांपों के संरक्षण में भी मदद मिलेगी। विश्व सर्प दिवस हमें यह सिखाता है कि सांपों को केवल डर और घृणा की नज़र से देखना उचित नहीं है। ये जीव न केवल पारिस्थितिक तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि मानव जीवन को अप्रत्यक्ष रूप से सुरक्षित और समृद्ध बनाते हैं। सांपों के बिना हमारी कृषि, जैव विविधता और पर्यावरण पर गहरा संकट आ सकता है। इसलिए, इस दिन का सच्चा उद्देश्य केवल सांपों के प्रति जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि उनके संरक्षण की संस्कृति को समाज में स्थापित करना है। सांपों की रक्षा करना केवल उनकी प्रजातियों को बचाना नहीं, बल्कि हमारी धरती के भविष्य को सुरक्षित करने का एक कदम है। यह हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है कि हम सांपों के प्रति अपनी सोच बदलें और उनके महत्व को समझें। उनके संरक्षण के लिए सक्रिय रूप से योगदान दें। विश्व सर्प दिवस हमें यही संदेश देता है–सांप न तो हमारे दुश्मन हैं और न ही केवल पूजनीय प्राणी, बल्कि प्रकृति के वे सहायक हैं, जिनके बिना हमारा पर्यावरण अधूरा है।

प्रो. आरके जैन

प्राइमरी स्कूलों का कायाकल्प करेगी सरकार

प्रदेश सरकार के एक फैसले ने विपक्ष को बोलने की वजह दे दी है जिसमें उन्होंने 50 बच्चों से कम संख्या वाले स्कूलों को दूसरे प्राइमरी स्कूलों में मर्ज करने की योजना बनाई है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंच चुका है और सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए हामी भी भर ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश जारी किए हैं कि जिन प्राइमरी स्कूलों को दूसरे में मर्ज किया जा रहा है उनके खाली भवनों में प्रि-प्राइमरी स्कूल अथवा बाल वाटिकाएं प्रारंभ की जाएंगी तथा इन भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए हैं कि 6 वर्ष से 14 वर्ष की आयु तक का कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। योजना सही है लेकिन जब प्राइमरी स्कूलों में बच्चे नहीं पहुंच रहे थे जो कि कुछ समझदार होते हैं तो प्रि-प्राइमरी स्कूलों में बच्चे किस तरह पहुंचेंगे। यह एक बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह है। अच्छा होता कि इन्हीं स्कूलों में बच्चों को ढूंढकर लाया जाता और छात्रों की संख्या बढ़ाई जाती। यह मामला एक बहुत बड़ी चर्चा का विषय बना हुआ है। लेकिन जब सरकार का निर्देश है तो मान्य तो करना ही होगा। एक अनुमान के मुताबिक उत्तर प्रदेश में लगभग 5000 स्कूल ऐसे हैं जिनमें छात्रों की संख्या काफी कम है और ऐसे स्कूलों को बगल के दूसरे स्कूलों में मर्ज किया जा रहा है। यदि यहां उन स्कूलों की दूरी ज्यादा रहती है तो बहुत से छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हो सकता है कि दूरी के कारण उनको पास के किसी प्राइवेट स्कूल की शरण लेनी पड़े या वहीं पर शिक्षा स्थगित करनी पड़े। इधर सुप्रीम कोर्ट ने प्राइमरी स्कूलों को बगल के दूसरे प्राइमरी स्कूलों में समायोजित करने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने के लिए अपनी सहमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वैसे तो यह नीतिगत मामला है लेकिन फिर भी यदि सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है तो वह इस मुद्दे की समीक्षा करने के लिए तैयार है। जस्टिस सूर्यकांत और जायमखल्या बागची की पीठ के समक्ष उत्तर प्रदेश सरकार के 16 जून के फैसले के खिलाफ याचिका कर्ता तैयब ख़ान सलमानी की ओर से अधिवक्ता प्रदीप यादव ने याचिका का उल्लेख करते हुए इस मामले पर तत्काल सुनवाई करने का आग्रह किया था। अधिवक्ता प्रदीप यादव ने पीठ से कहा कि 16 जून के राज्य सरकार के आदेश पर यदि रोक नहीं लगाई गई तो बड़ी संख्या में प्राथमिक स्कूल बंद हो जाएंगे और इनमें पढ़ने वाले हजारों छात्रों को दूर दराज के स्कूलों में पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसके बाद पीठ ने इस मामले पर सुनवाई करने के लिए हामी भर दी है। लेकिन राज्य सरकार का पक्ष भी कमजोर नही है। क्योंकि छात्रों की कम संख्या के कारण इन स्कूलों पर अत्यधिक खर्च आ रहा है जो सरकार के लिए उचित नहीं है। वहीं राज्य सरकार ने वो पूरा रोड मैप तैयार कर लिया है जिन बगल के प्राइमरी स्कूलों में उन स्कूलों को मर्ज किया जा रहा है। राज्य सरकार ने कोशिश की है कि स्कूलों की दूरी अत्यधिक नहीं रहे। और आगे चलकर इसमें और भी सुधार किए जाने की भी संभावना बनी रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूलों की विलय व्यवस्था को दूरगामी और व्यापक दृष्टिकोण की जरूरत बताया है। और इससे सुप्रीम कोर्ट भी मना नहीं कर सकता है। दूसरी तरफ व्यवस्था बनाना राज्य सरकार का ही काम है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र अध्यनरत हैं उन स्कूलों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। उन्हें स्वतंत्र रूप से संचालित किया जाए। जिससे प्रशासनिक सुविधा, जवाबदेही, शैक्षणिक निगरानी और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके। इन विद्यालयों में छात्रों की संख्या बढ़े इसके लिए मुख्यमंत्री ने छात्रों के अभिभावकों को 1200 रुपए की सहायता राशि शीघ्र ही उनके खाते में भेजने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि रिक्त पदों पर जल्द से जल्द भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाए। प्राइमरी स्कूलों की दशा सुधारने के लिए कुछ क़दम उठाने आवश्यक भी हैं। जिससे कि उन गरीब छात्रों को अच्छी शिक्षा प्रदान की जा सके जिससे वह वंचित रह जाते हैं। हमें प्राइमरी स्कूलों की दशा सुधारने के लिए कोई माडल या मैप तैयार करना होगा। कुछ हद तक सरकार की यह व्यवस्था ठीक नजर आ रही है। जिससे कि कम स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ाई जा सके और उनपर ठीक से निगरानी रखी जा सके। इस व्यवस्था में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। शिक्षकों को ग्राम प्रधान और सचिव से मिलकर यह देखना चाहिए कि कौन सा बच्चा स्कूल पढ़ने नहीं जा रहा है और क्यों नहीं जा रहा है। यह कार्य शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले किया जा सकता है। जिस समय स्कूलों की छुट्टियां होती हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई में भी ब्रेक नहीं होगा। और हमें उन बच्चों के विषय में जानकारी भी मिलेगी जो पढ़ने के लिए नहीं जा रहे हैं। इससे एक लाभ और होगा कि जिन स्कूलों में बच्चे अधिक हैं और शिक्षक कम हैं तो हम उन स्कूलों में शिक्षकों की पूर्ति कर सकेंगे। जब शिक्षक पर्याप्त संख्या में होंगे तो स्कूलों का शैक्षिक वातावरण भी अच्छा होगा। स्कूलों की बिल्डिंग और खेल के मैदान को भी हमें दुरुस्त करना होगा। स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय आदि भी स्कूलों के लिए आवश्यक होंगे। इसके लिए यदि कुछ दिल्ली माडल अपनाया जाये तो ग़लत नहीं होगा। हम सरकारी प्राइमरी स्कूलों को भी प्राइवेट विद्यालयों की तरह बना सकते हैं। इसके लिए हमारे पास दृढ़ इच्छाशक्ति होनी चाहिए। सरकारी क्षेत्र के इंटरकालेज और डिग्री कालेज अच्छी तरह से चल रहे हैं और कुछ इसी तरह से हमें प्राइमरी स्कूलों को भी तैयार करना होगा।

जितेन्द्र सिंह पत्रकार

दैनिक राशिफल

डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय
ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ

मेष–प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय व कारोबार में लाभ की स्थिति रहेगी। भाइयों, जीवनसाथी से मनोनुकूल सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। शत्रुभय रहेगा। विरोध हो सकता है। विवाद न करें।

वृष–नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। ज्ञान में वृद्धि होगी। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूल वातावरण बनेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भाइयों तथा मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यस्तता रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रमाद न करें। पुराने रुके कार्यों में गति आएगी।

मिथुन–कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जरूरी निर्णयों में सावधानी आवश्यक है। आय में कमी हो सकती है। नौकरी में सहकर्मियों से विवाद हो सकता है। क्रोध न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। स्त्रियां घर में सावधानी रखें।

कर्क–जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं। कुसंगति से बचें। बेवजह विवाद हो सकता है। लोगों की अपेक्षा पर आप खरे नहीं उतर पाएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह–पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त हो सकता है। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। अध्ययन में मन लगेगा। मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उत्साह में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। नए-नए विचार मन में आएंगे। जल्दबाजी न करें। व्यस्तता रहेगी। धनार्जन होगा।

कन्या–बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नया कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। प्रभावशाली व्यक्तियों से सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

तुला–रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। लाभ व उन्नति के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। जीवन सुखमय रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक–धैर्य रखें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी नाराज रहेंगे। काम पर अधिक ध्यान देना पड़ेगा। भागदौड़ रहेगी। आय में निश्चितता रह सकती है। किसी के व्यवहार से अपमान महसूस होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है।

धनु–आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। थकान महसूस होगी। व्यस्तता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। काम में अधिक ध्यान दे पाएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

मकर–घर-बाहर सम्मान मिलेगा। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रमाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। मित्रों का साथ रहेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

कुंभ–नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिल सकता है। भाग्य का साथ मिलेगा। जोखिम उठाने का मन बनेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक नीति में सुधार व परिवर्तन हो सकता है। व्यापार व व्यवसाय में वृद्धि होगी।

मीन–नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

संपादकीय

कांवड यात्रा का अब राजनीतिक कनेक्शन

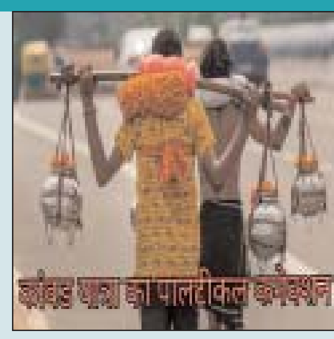

सावन का महीना शुरू होते ही उत्तर भारत की प्रमुख धार्मिक यात्राओं में एक 'कांवड़ यात्रा' 11 जुलाई से शुरू हो चुकी है. कांवड़ यात्रा की शुरुआत होती ही उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सियासत भी गरमा गई है. दरअसल, बीते तीन से चार दिनों में कांवड़ यात्रा के दौरान कई ऐसी घटनाएं हुई, जब कांवड़ियों ने यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले होटल-ढाबों पर तोड़फोड़ की. इस दौरान कांवड़ियों ने ढाबा मालिकों पर मुस्लिम व्यवसायियों पर पहचान छिपाकर ढाबा संचालित करने का आरोप लगाया. कांवड़ यात्रा का इतिहास भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में गहराई से निहित है। यह मुख्य रूप से भगवान शिव के भक्तों द्वारा की जाने वाली एक वार्षिक तीर्थयात्रा है, जो सावन मास (जुलाई-अगस्त) में होती है। इसका इतिहास पौराणिक कथाओं, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक परंपराओं से जुड़ा है।लेकिन कोई एक प्रामाणिक कथा कांवड की नहीं है. कांवड़ यात्रा की उत्पत्ति समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जोड़ी जाती है। जब देवताओं और असुरों ने समुद्र मंथन किया, तो उसमें से विष (हलाहल) निकला। भगवान शिव ने इस विष को अपने कंठ में धारण कर लिया, जिससे उनका कंठ नीला हो गया और उन्हें नीलकंठ कहा गया। विष के प्रभाव को कम करने के लिए देवताओं ने शिव पर गंगा जल चढ़ाया। माना जाता है कि कांवड़ यात्रा इस घटना का प्रतीक है, जिसमें भक्त गंगा जल लेकर शिव मंदिरों में चढ़ाते हैं। कुछ कथाओं के अनुसार, भगवान परशुराम ने अपने आराध्य शिव की पूजा के लिए गंगा जल लाने की परंपरा शुरू की थी। उन्होंने कांवड़ (एक बांस के डंडे पर दो बर्तनों में जल) के साथ गंगा जल लाकर शिवलिंग पर चढ़ाया, जिससे यह परंपरा प्रचलित हुई।वैसे त्रेता युग की कथाओं में श्रवण कुमार द्वारा अपने माता पिता कोयात्रा कांवड यात्रा देश के दूसरे हिस्से में प्रचलित नहीं है.द्वारा तीर्थ यात्रा कराने का जिक्र है. कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में स्पष्ट रूप से नहीं मिलता, लेकिन यह माना जाता है कि यह परंपरा मध्यकाल से प्रचलित है। सावन मास में शिव भक्ति और गंगा जल के महत्व को देखते हुए यह यात्रा धीरे-धीरे लोकप्रिय हुई। कांवड़ यात्रा ने विभिन्न समुदायों को एक साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह भक्ति, समर्पण और तप का प्रतीक बन गई, जिसमें सभी वर्गों के लोग हिस्सा लेते हैं। कांवड यात्रा में भक्त हरिद्वार, गंगोत्री, ऋषिकेश, या अन्य पवित्र स्थानों से गंगा जल लेकर पैदल चलकर प्रमुख शिव मंदिरों जैसे नीलकंठ, काशी विश्वनाथ, या बैद्यनाथ धाम जाते हैं।कांवड बांस से बनाई जाती है. बांस के डंडे के दोनों सिरों पर जल से भरे बर्तन लटकाए जाते हैं। इसे कंधे पर रखकर भक्त यात्रा करते हैं। कांवड़िए कठोर नियमों का पालन करते हैं, जमीन पर न सोना, शुद्ध भोजन करना और गंगा जल को भूमि पर न रखना शामिल है कांवड़ यात्रा उत्तर भारत, खासकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और बिहार में बड़े पैमाने पर आयोजित होती है। लाखों भक्त इसमें हिस्सा लेते हैं, और यह एक विशाल सामाजिक-धार्मिक आयोजन बन गया है। आधुनिक समय में, कांवड़ यात्रा में ट्रैक्टर, बाइक और अन्य वाहनों का उपयोग भी होने लगा है, हालांकि पारंपरिक पैदल यात्रा अभी भी सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है।पिछले कुछ वर्षो से कांवड यात्रा एक राजनीतिक आयोजन हो गया है. सरकार कांवडियों पर हैलीकाप्टर से पुष्प वर्षा करने लगी है. इस यात्रा का इस्तेमाल धार्मिक ध्रुवीकरण के लिए भी होने लगा है. मजे की बात ये है कि जिस कांवड यात्रा को राजनीतिक इवेंट बना दिया गया है उसमें सत्ताधारी दल का एक भी छोटा, बडा नेता या उनके बच्चे शामिल नहीं होते. यह श्रमसाध्य कार्य केवल समाज के पिछडे, अशिक्षित, आर्थिक रूप से कमजोर तबके के युवा करते है. अब कांवडिये जरा जरा सी बात पर सरकारी संरक्षण में जिस तरह का उपद्रव करते हैं उसे देखकर आशंका होती है कि एक सात्विक परंपरा का सत्यानाश हो रहा है. इस यात्रा को भाजपा ने एक तरह से अपने एजेंडे में शामिल कर लिया है. यह पहली बार नहीं है जब कांवड़ यात्रा के दौरान इस तरह का विवाद सामने आया है. इससे पहले भी मुस्लिम ढाबा संचालकों पर हिंदू नाम से व्यवसाय करने के आरोप लगाए गए हैं. कुछ मामले साबित भी हुए हैं तो कुछ फर्जी भी निकले. ऐसे में सवाल यह है कि क्या मुस्लिम होकर हिंदू नाम से ढाबा चलाना क्या गैरकानूनी है? और इस मामले में कानून क्या कहता है? भारत संविधान के मुताबिक, किसी भी व्यक्ति को किसी भी तरह का व्यवसाय करने का अधिकार है. जहां तक होटल या ढाबों की बात है तो इसके लिए खाद विभाग की ओर से लाइसेंस जारी किया जाता है, जिसमें होटल या ढाबा संचालक का नाम लिखा होता है. सभी होटल या ढाबा संचालकों को यह लाइसेंस रखना अनिवार्य होता है, जिससे जरूरत पड़ने पर उसकी जांच की जा सके. भारतीय कानून के मुताबिक, किसी व्यक्ति द्वारा किसी अन्य नाम से व्यवसाय संचालित करना अपराध नहीं है. हालांकि, अगर ऐसा समाज में भ्रम फैलाने या किसी की धार्मिक भावनाएं आहत करने के लिए जानबूझकर किया जा रहा है तो इसके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है. ऐसा करने पर भारतीय न्याय संहिता के तहत होटल या ढाबा संचालकों पर कार्रवाई की जा सकती है. बीते साल कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार की ओर से आदेश जारी किया गया था, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले सभी होटल या ढाबा संचालकों को अपना नाम व होटल पर काम करने वाले कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने का आदेश दिया गया था. सरकार का कहना था कि यह आदेश इस बात को सुनिश्चित करने के लिए जारी किया गया, जिससे कांवड़ यात्रियों के बीच भ्रम की स्थिति न हो और विवाद से बचा जा सके. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए आदेश पर रोक लगा दी थी कि सरकार किसी होटल या ढाबा संचालकों को नाम प्रदर्शित करने के लिए बाध्य नहीं कर सकती है, अगर वे स्वेच्छा से ऐसा करना चाहते हैं तो कर सकते हैं।

राकेश अचल

ऑनलाइन किताबों की बढ़ती लोकप्रियता- सुविधा की ओर बढ़ता पाठक या परंपरा से दूर होती संवेदना?

बीते एक दशक में हमारी जीवनशैली ने जितनी तेज़ी से डिजिटल स्वरूप ग्रहण किया है, उतनी तीव्रता से शायद ही पहले किसी युग में परिवर्तन हुआ हो। हम जिस दुनिया में रहते हैं, वहां अब हर जानकारी, हर सेवा और हर संसाधन हमारी उंगलियों की हरकत पर उपलब्ध है। इस डिजिटल क्रांति ने पुस्तक संस्कृति को भी अप्रभावित नहीं छोड़ा है। जिस माध्यम से ज्ञान, विचार, अनुभव और भावनाएं पीढ़ी दर पीढ़ी प्रवाहित होती थीं यानी किताबें अब उनके स्वरूप और उपयोग की पद्धति में आमूलचूल परिवर्तन आया है। आज एक बड़ा वर्ग ऑनलाइन किताबों की ओर आकर्षित हो रहा है, जबकि पारंपरिक किताबों की मांग और उपस्थिति धीरे-धीरे कम होती जा रही है। यह एक ऐसा परिवर्तन है जो केवल सुविधा और तकनीक का संकेत नहीं देता, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मानसिक स्तर पर एक गहरी हलचल का संकेत भी करता है। तकनीकी दृष्टि से देखें तो ऑनलाइन किताबें एक क्रांतिकारी उपलब्धि हैं। जिस प्रकार इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों ने सूचना तक पहुंच को डिमोक्रेटीसाइज किया है, उसी तरह किताबें भी अब सिर्फ भौगोलिक सीमाओं और भौतिक संसाधनों तक सीमित नहीं रहीं। पहले किसी दुर्लभ पुस्तक को पढ़ने के लिए पुस्तकालय की सदस्यता लेनी पड़ती थी, लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती थी, या महंगी कीमत चुका कर उसे मंगवाना पड़ता था। आज वही किताबें मुफ्त या बहुत कम लागत पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। एक क्लिक पर डाउनलोड करें, पढ़ना शुरू करें, और किसी भी भाषा में अनुवाद पाएं यह सुविधा अद्भुत है। स्मार्टफोन, टैबलेट, किंडल जैसे उपकरणों की लोकप्रियता ने इस प्रवृत्ति को और बल दिया है। पाठक अब कहीं भी, किसी भी समय, बिना रोशनी के भी पढ़ सकते हैं। डिजिटल किताबों में फ़ॉन्ट बदलने, टेक्स्ट को हाइलाइट करने, नोट्स जोड़ने, शब्दकोश से अर्थ जानने जैसे अनेक फीचर्स हैं जो पारंपरिक किताबों में संभव नहीं। ऑडियोबुक्स ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों या अत्यधिक व्यस्त लोगों को भी साहित्य और अध्ययन से जोड़ दिया है। यह समावेशिता डिजिटल माध्यम की एक बड़ी ताकत है।किन्तु, इस डिजिटल आकर्षण के साथ कुछ खामोश लेकिन गंभीर प्रश्न भी जुड़ते हैं। क्या यह सुविधा धीरे-धीरे संवेदनशीलता को निगल रही है? क्या हम किताब को केवल डेटा समझने लगे हैं, न कि अनुभव? प्रिंटेड किताबों का स्पर्श, उनकी गंध, पुराने पन्नों की रंगत, किताब पर गिरती धूप की छाया ये केवल दृश्य या भौतिक अनुभव नहीं हैं, बल्कि भावनात्मक और बौद्धिक जुड़ाव के प्रतीक हैं। एक पुस्तक के पन्नों को पलटना, उसमें बुकमार्क लगाना, उसके हाशिये में कुछ लिख देना, ये क्रियाएं हमें पुस्तक से जोड़ती हैं, उसे अपना बनाती हैं। डिजिटल किताबों में यह रिश्ता यांत्रिक हो जाता है, भावनात्मक नहीं।स्वास्थ्य की दृष्टि से भी चिंताएं कम नहीं हैं। डिजिटल स्क्रीन पर अधिक देर तक पढ़ना आंखों पर भारी पड़ता है। नीली रोशनी नींद चक्र को प्रभावित करती है, जिससे मानसिक थकान और चिड़चिड़ापन उत्पन्न होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि स्क्रीन पर पढ़ी गई सामग्री की समझ और स्मृति अवधारण कागज़ पर पढ़ने की तुलना में कम प्रभावी होती है, खासकर बच्चों और किशोरों में।सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी यह बदलाव गहरे असर छोड़ रहा है। छोटे प्रकाशक, स्थानीय बुकस्टोर्स, स्वतंत्र लेखक और क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य डिजिटल की चमक में दबने लगा है। जब पढ़ने की प्राथमिकता लोकप्रिय और तेजी से उपलब्ध होने वाली सामग्री बन जाती है, तब गंभीर साहित्य, धीमी गति से पढ़े जाने वाले गद्य और परंपरागत विधाएं हाशिए पर चली जाती हैं। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म एल्गोरिद्म आधारित अनुशंसा के ज़रिए पाठकों को वही विषय बार-बार परोसते हैं जो पहले पढ़ा या पसंद किया गया हो, जिससे विविधता घटती है। यह पाठकीय स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सूचित चयन की आड़ में एक तरह की वैचारिक सीमा बनाता है। इसके विपरीत, पुस्तकालयों और बुकस्टोर्स में किताबों के बीच भटकते हुए अचानक किसी अनजान लेखक की कोई अप्रत्याशित रचना हाथ लग जाना। यह वह जादू है जो केवल भौतिक किताबों की दुनिया में संभव होता है। वहां विकल्प नहीं थोपे जाते, खोज होती है और खोज में ही साहित्य की असली चमक है। हालांकि यह कहना भी एकांगी होगा कि प्रिंटेड किताबों को बचाने के नाम पर तकनीकी विकास को खलनायक बना दिया जाए। तकनीक ने ज्ञान को लोकतांत्रिक बनाया है। अब गाँव-देहातों के छात्रों को भी वही किताबें मिल सकती हैं जो पहले केवल महानगरों में उपलब्ध थीं। डिजिटल नेत्रहीनों, श्रवणबाधितों, और शारीरिक रूप से असमर्थ पाठकों के लिए एक सेतु बन गया है। यह सुलभता अपने आप में एक सामाजिक क्रांति है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। समस्या तब आती है जब तकनीक विकल्प की जगह विकल्पहीनता बन जाए। जब पाठक यह मानने लगें कि किताब सिर्फ एक ऐप है, एक डाउनलोड करने योग्य फाइल है, तब साहित्य और जीवन के बीच की वो महीन रेखा टूटने लगती है जो हमें मशीन से अलग करती है।इसलिए ज़रूरत इस बात की है कि हम एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं। डिजिटल माध्यम को अपनाएं, लेकिन उसे ही संपूर्ण न मानें। प्रिंटेड किताबों को संग्रहित करें, पढ़ें, और अगली पीढ़ी को उनके महत्व से परिचित कराएं। विद्यालयों और कॉलेजों में डिजिटल और पारंपरिक दोनों माध्यमों को स्थान मिले। सरकारें और संस्थान ऐसे मॉडल अपनाएं जिसमें स्थानीय प्रकाशक और लेखक भी डिजिटल माध्यम में शामिल हो सकें, बिना अपनी मौलिकता खोए। अंततः इस संपादकीय के माध्यम से मैं यह बताने की कोशिश कर रहा हूं कि किताबें पढ़ने का माध्यम चाहे जो भी हो, असली प्रश्न यह होना चाहिए कि क्या हम अभी भी पढ़ रहे हैं गहराई से, संवेदना के साथ, आलोचनात्मक दृष्टि से? अगर हाँ, तो माध्यम गौण हो जाता है। लेकिन यदि हम केवल स्क्रॉल कर रहे हैं, सरसरी निगाह से गुजर रहे हैं, और किताब को केवल एक कन्टेन्ट मान रहे हैं तो हमें रुककर विचार करना होगा, क्या हम तकनीक के सहारे पढ़ रहे हैं, या तकनीक के कारण पढ़ना भूलते जा रहे हैं।

हंसराज चौरसिया

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

.......निगोहां थाने के गेट के सामने हुआ हादसा, पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा।

निगोहां। लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र थाना गेट के पास तेज रफ्तार मारुति सुजुकी कार ने एक बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा बीते बीते मंगलवार की शाम के समय हुआ था पीड़ित ने सोमवार को निगोहां थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित घायल हुए अमृत लाल निवासी थाना गाजीपुर, लखनऊ पूर्वी, अपनी मोटरसाइकिल से भोजन करने के लिए होटल जा रहे थे। तभी निगोहां थाना गेट के सामने पीछे से आ रही मारुति सुजुकी कार यू पी 32 एल डब्लू 3080 के अज्ञात चालक ने तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीड़ित सड़क पर गिर पड़ा और कार का पहिया उसके पैर और शरीर के ऊपर से चढ़ गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आई। घायल को तत्काल इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।पीड़ित द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर निगोहां पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में तेज रफ्तार व अनियंत्रित टेम्पो चालकों की वजह से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन सख्ती नहीं दिखा रहा। पुलिस से मांग की जा रही है कि आरोपी चालक को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर लूटपाट के आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, ई रिक्शा समेत चोरी का सामान भी बरामद

सीतापुर जनपद सीतापुर में कोतवाली देहात पुलिस ने जहरखुरानी कर चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है आरोपियों ने ई-रिक्शा चालक को नशीले पदार्थ मिला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर उसका वाहन और सामान चुरा लिया था पुलिस ने साहवान, राजन और बबलू को गिरफ्तार किया है। साहवान नैपालापुर का रहने वाला है राजन सक्सेना गली नैपालापुर का निवासी है बबलू रसूलगंज थाना कोतवाली देहात सीतापुर का रहने वाला है आरोपियों के पास से एक ई-रिक्शा (क्र 34 ष्ट्ञ 0724) बरामद हुआ है इसके अलावा एक पुराना टीन शेड, दो पुरानी गोल पाइप, छह वर्गाकार पाइप, दो पुरानी प्लाई और आठ सनमाइका के टुकड़े भी मिले हैं। पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने 11 जुलाई को बेहड़ा मार्ग पर यह वारदात की थी इस मामले में थाना कोतवाली देहात में मुकदमा दर्ज किया गया था अब धारा 317 (2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है साक्ष्यों के आधार पर तीनों को जेल भेज दिया गया है!!

NOTICE

I, Saeed Abbas, son of Nawab Azhar Hussain, resident of Lohani, Pihani Dehat, Hardoi, U.P. 241406, hereby notify the public that the names recorded in the school records of City Montessori School, Chowk Branch, Hardoi Road, Lucknow, for my son, currently listed as Syed Basit Abbas Zaidi, son of Saeed Abbas Zaidi and Saba Zaidi, are incorrect. The correct names are as follows. Father's Name: Saeed Abbas Mother's Name: Saba Child's Name: Basit Abbas Zaidi. in future i will be known with the name Basit Abbas Zaidi only.

सर्पदंश से 80 वर्षीय बुजुर्ग की मौत, इलाज के अभाव में नहीं बच सकी जान

● ....तीन दशक से कुटिया में रह रहे थे गुरु प्रसाद, नींद में पड़ा हाथ कैरट पर और बैठा था विषैला सर्प।

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ, निगोहां। थाना क्षेत्र के राती ग्राम पंचायत से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। गांव के बाहर वर्षों से कुटिया बनाकर रह रहे 80 वर्षीय बुजुर्ग गुरु प्रसाद रावत की सर्पदंश से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सोमवार देर रात करीब एक बजे जब वह अपनी कुटिया में सो रहे थे, उसी दौरान एक कैरट में बैठे जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया।बताया जा रहा है कि बुजुर्ग गुरु प्रसाद रावत बीते करीब 30 वर्षों से गांव के पास खेल मैदान के किनारे स्थित एक मंदिर के पास अपनी पत्नी रामप्यारी के साथ कुटिया बनाकर रह रहे थे। रोज की तरह सोमवार रात भी वह अपनी कुटिया में सो रहे थे। उनके पास ही एक कैरट रखी थी, जिसमें एक जहरीला सर्प छुपा हुआ था। जैसे ही नींद में उनका हाथ कैरट पर पड़ा, सर्प ने झपटकर हाथ में डस लिया।सर्पदंश के बाद भी गुरु प्रसाद ने साहस दिखाते हुए सांप को पकड़ा और उसे एक झोले में बंद कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही उनके बेटे पवन कुमार तुरंत मौके पर पहुंचे और पिता को निजी वाहन से लेकर महनलालगंज सीएचसी पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सिविल अस्पताल रेफर कर दिया।सिविल अस्पताल में तीन इंजेक्शन लगाए गए, लेकिन मरीज की बिगड़ती हालत देखकर डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जाने की सलाह दी। परिजनों ने स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें घर ले जाने का निर्णय लिया और पारंपरिक इलाज का सहारा लिया।

घर लौटने के बाद दूर-दराज से आए साधु-संतों ने जड़ी-बूटी से इलाज शुरू किया। बंगाली बाबा को भी बुलाया गया, जिन्होंने पहले पारंपरिक जड़ी-बूटी दी, फिर बीन बजाकर इलाज का प्रयास किया। लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद गुरु प्रसाद की जान नहीं बचाई जा सकी।ग्रामीणों में घटना को लेकर गहरा शोक है। लोगों ने बताया कि गुरु प्रसाद रावत धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे और वर्षों से गांव से अलग शांत जीवन बिता रहे थे। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है।

शारदा नहर बछरावां के पास अनियंत्रित ट्रक डंपर को मारी टक्कर खाई में पलटा चालक घायल

बछरावां। रायबरेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत शारदा नहर बांदा बहराइच मार्ग के पास अनियंत्रित ट्रक डस्ट से लदा डंपर को टक्कर मार दी टक्कर खाने से डंफर पलट गया चालक घायल अनियंत्रित ट्रक द्वारा डंफर में टक्कर मार दी गई राहगीरों ने डंफर चालक को सकुशल डंफर से निकाला गया ।एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। डंफर चालक को मामूली चोटे आई हैं। वही ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है।

वन विभाग की जमीन पर प्लॉटिंग की कोशिश नाकाम विभाग की सख्ती से भागे प्रॉपर्टी डीलर

● ...निगोहां के उतरावां गांव में गाटा संख्या 2049/2051 की जमीन को किया जा रहा था समतल।

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र के उतरावा गांव में बीते सोमवार को अज्ञात प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा वन विभाग की जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिश की गई। गाटा संख्या 2049/2051 पर स्थित जमीन को जेसीबी मशीन द्वारा समतल कर प्लॉटिंग की तैयारी की जा रही थी।सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कार्य पर आपत्ति जताई। शुरू में कब्जा करने वालों ने विभाग को गुमराह करने की कोशिश की और जमीन को राजस्व विभाग की बताने लगे। हालांकि जब वन रेंजर अभिषेक चौधरी ने तहकीकात कर राजस्व विभाग के लेखपाल से रिकॉर्ड की पुष्टि की तो स्पष्ट हुआ कि यह जमीन वन विभाग के नाम दर्ज है।जैसे ही विभागीय कागज सामने आए, मौके पर मौजूद प्रॉपर्टी डीलर और मजदूर काम छोड़कर भाग निकले। वन रेंजर अभिषेक चौधरी ने बताया कि भूमि पर अवैध कब्जे की यह गंभीर कोशिश थी और विभाग इस पर सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि संबंधित अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस जमीन पर पहले भी कब्जे की कोशिशें की जा चुकी हैं, लेकिन इस बार विभाग की तत्परता से यह प्रयास विफल हो गया।

नगर निगम की लापरवाही युवक की गई जान

●.....पेड़ की छंटाई के दौरान लटकती रस्सी में फंसा बाइक सवार, मौके पर मौत।

स्वतंत्र प्रभात

पीजीआई। लखनऊ, नगर निगम की लापरवाही एक युवक की दर्दनाक मौत का कारण बन गई। मंगलवार दोपहर पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित वृंदावन योजना सेक्टर-9 के मामा चौराहे के पास पेड़ों की छंटाई के दौरान एक बाइक सवार युवक हवा में लटक रही रस्सी में उलझ गया। गला फंसने के चलते वह सड़क पर गिर पड़ा और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।मृतक की पहचान 27 वर्षीय अनुज कश्यप निवासी गोपालखेड़ा, मोहनलालगंज के रूप में हुई है। वह फ्लिपकार्ट मिनट कंपनी में कार्यरत था और रोज़ की तरह ड्यूटी पर जा रहा था। हादसे के वक्त पेड़ की कटाई का काम चल रहा था, लेकिन मौके पर न तो कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था और न ही ट्रैफिक को नियंत्रित किया गया था।स्थानीय लोगों के अनुसार, पेड़ से बंधी रस्सी लापरवाही से सड़क के ऊपर लटक रही थी। अनुज उसी में फंस गया और असंतुलित होकर गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को ट्रॉमा सेंटर भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की खबर मिलते ही अनुज के घर में कोहराम मच गया। मां सुमन देवी, बड़े भाई सोनू, छोटे भाई दीपक और बहन गुड़िया का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार का भरण-पोषण करने वाला अनुज ही था। उसके पिता छेदालाल की पहले ही मृत्यु हो चुकी है।

लोगों में आक्रोश, निगम के खिलाफ नारेबाजी.....

हादसे के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए दोषी कर्मचारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।पीजीआई थाना प्रभारी धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से नगर निगम कर्मियों के खिलाफ तहरीर दी गई है। मामले की जांच की जा रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विधायक सलिल विश्नोई ने किया तपेश्वरी देवी प्रवेश द्वार का उद्घाटन

कानपुर। आज विधायक सलिल विश्नोई ने अपनी विधायक विकास निधि द्वारा निर्मित बिरहाना रोड, नील वाली गली में जाखोदिया हाते के नये प्रवेश द्वार का उदघाटन किया तथा बिरहाना रोड के प्रसिद्ध तपेश्वरी देवी मन्दिर में आने वाले भक्तों के लिए लगवाई गई ठण्डे पानी की मशीन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में सलिल विश्नोई सहित नवाब सिंह, शैलेन्द्र शर्मा, सलीस बेग, रोहित जायसवाल, उज्ज्वल जायसवाल, अजीत सोनकर रितिक सोनी, कुणाल गुप्ता, हर्ष चौहान, सन्ध्या मिश्रा, एन.डी.तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संगठन ने जिलाधिकारी और जिलापूर्ति अधिकारी को सौपा कोटेदारो की समस्या को लेकर सौपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। आल इंडियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एशोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह के निर्देशन में संगठन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी एवं जिलापूर्ति अधिकारी सीतापुर द्वारा मुख्यमन्त्री उ0प्र0 सरकार लखनऊ को संगठन के समस्त पदाधिकारी और जागरुक राशन डीलरों की उपस्थिति में अपनी कमीशन बढ़ोत्तरी अथवा मिनिमम गारन्टी आय रु 20000 एवं समस्त समस्याओं को लेकर ज्ञापन के माध्यम से पत्रक दिया गया। संगठन के प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह ने कहा कि सरकार को सिंहासन पर बैठाने का कार्य उ0प्र0 के राशन डीलरों ने किया। ईमानदारी पूर्वक उपभोक्ताओं को विषम परिस्थितियों में भी जनहित में कार्य करते आ रहे हैं। सरकार को प्रशस्ति पत्र भी राशन डीलरों के वितरण उपरान्त ही प्राप्त हुआ। केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को अपने प्रदेश में राशन डीलरों का लाभांश बढ़ाने के लिए स्वतन्त्र हैं हरियाणा, दिल्ली, गोआ, गुजरात में लाभांश रु 200 प्रति कुंतल का आदेश किया गुजरात सरकार ने रु 20000 मिनिमम गारन्टी आय का आदेश किया। प्रमुख सचिव, आयुक्त महोदय द्वारा कमीशन बढ़ोत्तरी की फाइल तैयार कर प्रस्तुत भी की गयी परन्तु कमीशन बढ़ाया।भी नहीं संगठन सीतापुर जिलाध्यक्ष ने कहा कि सिंगल स्टेप डिलिवरी सीतापुर जिले में शासनादेशों के अनुसार ठेकेदारों द्वारा क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है आदेश का अनुपालन अराया जाय खाद्यान्न दुकान पर तौलकर कट्टी वजन सहित दुकान पर पहुँचाया जाय अन्यथा खाद्यान्न प्राप्त नहीं किया जायेगा।जिला महासचिव विशाल रस्तोगी ने कहा ई-पॉश में नित नए वर्जन ऐप बदले जा रहे हैं।

नेटवर्क की समस्या वही है उपभोक्ता और राशन डीलर दोंनों परेशान है वितरण होने से पहले ई-पॉश को अपडेट किया जाय उन्होंने कहा 2001 से 2014 तक बकाया परिवहन व्यय राशन डीलरों को भुगतान किया जाय। सीतापुर में अधिकारी गण का कोई सहयोग नहीं प्राप्त हो रहा है। रिकार्ड सीतापुर जिले में आवश्यक वस्तु निगम के पास मौजूद है सीधे राशन डीलरों के खाते में भुगतान कराया जाय।संगठन मन्त्री एवं समस्त पदाधिकारी गण उपस्थित राशन डीलरों ने एक स्वर में कहा अगर हमारी समस्याओं का समाधान नहीं होता तो 18 जुलाई 2025 को जवाहर भवन का

घिराव उत्तर प्रदेश के समस्त राशन डीलर करेंगे एवं अगस्त माह में प्रथम तीन दिवसीय वितरण बन्द किया जायेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। उपस्थित समस्त पदाधिकारी एवं राशन डीलरों ने अपनी सहमति व्यक्त की।

प्रदेश सचिव कार्यक्रम में मुख्यरुप से विजय वर्मा, अजय वर्मा, अशोक रावत, राकेश सिंह, आशीष मिश्रा, अजय जैसवाल, वीरेन्द्र मधुकर, केवाराम, सुधीर मिश्रा, संतराम, कमलेश मिश्रा, राघवेन्द्र सिंह, आलोक मिश्रा, राजेन्द्र, कय्यूम खाँ, त्रिभुवन वर्मा, नसीम खान, दिलीप गुप्ता, राजकुमार गुप्ता कृष्ण स्वरुप पाण्डेय, नन्द लाल, सुरेन्द्र यादव, विनोद तिवारी आदि वारी आदि सैकड़ों की संख्या में राशन डीलर मौजूद रहे।

पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह को मिला बच्चा बाबू स्मृति सम्मान

● नवगीतकार डॉ. शिव बहादुर सिंह भदौरिया की जयंती पर आयोजित हुआ कार्यक्रम।

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के करुणा बाजार चौराहा स्थित एक गेस्ट हाउस में मंगलवार को काव्यालोक संस्था की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन प्रख्यात नवगीतकार डॉ. शिव बहादुर सिंह भदौरिया की जयंती के अवसर पर किया गया। समारोह में साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह को सुरेश नारायण सिंह बच्चा बाबू स्मृति सम्मान से नवाजा गया। कवि व लेखक डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र (देहरादून) को डॉ. शिव बहादुर सिंह भदौरिया स्मृति सम्मान, सेवानिवृत्त डीआईजी शैलेन्द्र प्रताप सिंह को प्रो. हरेंद्र बहादुर सिंह स्मृति सम्मान और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अवनेंद्र बहादुर सिंह को काव्यालोक सम्मान प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद व पूर्व महाधिवक्ता राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि डॉ. भदौरिया केवल बैसवारा ही नहीं, पूरे हिंदी साहित्य जगत का सम्मानित नाम हैं।

उनकी रचनाएं जीवन के गहरे अनुभवों को दर्शाती हैं। उन्होंने डॉ. भदौरिया के साहित्य और स्मृतियों को सहेजने के प्रयास के लिए कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय भदौरिया की सराहना। विशिष्ट अतिथि अशोक रामपुरी ने कहा कि डॉ. भदौरिया नवगीतों की समृद्ध परंपरा छोड़ गए हैं। इस धरोहर को संरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में कवि सम्मेलन हुआ। जिसमें जाने माने कवि श्लेष गौतम, प्रवीण प्रसून व प्रदीप महाजन ने कविताएं पढ़ी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य केशव कुमार सिंह ने की। संचालन शिक्षक नेता आशीष प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, डॉ. विनय भदौरिया, डॉ. एमडी सिंह, डॉ. ओपी सिंह, पूर्व डाइट प्राचार्य जेपी सिंह, प्रो. अरुण कुमार सिंह, हरिनाम सिंह, सूखेन्द्र बहादुर सिंह, हजारी सिंह, भाजपा नेता अनूप पांडेय, विश्वास बहादुर सिंह, अनुराग शुक्ला, दीप अमन, अंकुर सिंह, व्यापारी नेता मृत्युंजय बाजपेई, उमाशंकर गुप्ता, सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बंद शौचालय, जल निकासी और पार्किंग की समस्या को लेकर प्रधान प्रतिनिधि ने आरेडिका जीएम को सौंपा ज्ञापन

● फैक्ट्री गेट निकट बंद सार्वजनिक शौचालय खुलवानें व ट्रको की पार्किंग स्थल निर्धारित- राजेश फौजी

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऐहार के प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी ने मंगलवार को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्र को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने फैक्ट्री गेट नंबर 3 के सामने बंद पड़े सार्वजनिक शौचालय को जल्द खुलवाने, जलनिकासी की समस्या और अवैध पार्किंग की स्थिति पर तुरंत कार्रवाई की मांग की। राजेश फौजी ने बताया कि गेट नंबर-3 के सामने बना शौचालय काफी समय से बंद है, जिससे ट्रक चालक और राहगीर खुले में शौच के लिए मजबूर हैं। यह स्थिति जनस्वास्थ्य और स्वच्छता दोनों के लिहाज से चिंताजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले ग्राम पंचायत का बरसाती पानी कारखाने के भीतर बने नाले से होकर निकलता था, लेकिन बाउंड्री वॉल के किनारे सड़क बन जाने से जल निकासी अवरुद्ध हो गई है। इससे गांव में जलभराव की स्थिति पैदा हो रही है। इसके अलावा छुट्टी के दिनों में माल लेकर आने वाले

ट्रक फैक्ट्री के बाहर सड़क किनारे खड़े हो जाते हैं। इससे न सिर्फ जाम लगता है बल्कि हादसे का भी खतरा बना रहता है। राजेश फौजी ने मांग की कि ट्रकों के लिए अलग से पार्किंग स्थल निर्धारित किया जाए ताकि व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

देश/प्रदेश भर में आज लाखों पेंशनर्स कर्मचारी शिक्षकों ने धरना-प्रदर्शन कर सरकार को चेताया

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पेंशन नियमावली में बदलाव एवं केन्द्रीय हवें वेतन आयोग का गजट नोटीफिकेशन जारी नहीं होने से बढ़ा संशय, असंतोष मूलभूत मांगों का अनुस्मारक ज्ञापन 15 जुलाई, 2025 आज देश भर में अखिल भारतीय स्टेट गवर्नमेन्ट पेशनर्स फेडरेशन एवं उत्तर प्रदेश में सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसियेशन तथा शिक्षक महासंघ के आवाहन पर अपनी मूलभूत मांगों के प्रति सरकार की उदासीनता एवं हवें वेतन आयोग की घोषणा किन्तु पालन न करने के कारण लाखों कर्मचारी शिक्षक पेंशनर्स ने सभी जनपदों में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन, विरोध सभाये कर मांगों का अनुस्मारक ज्ञापन स्थानीय प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री/ मुख्यमंत्री को सौंप कर प्रभावी कार्यवाही हेतु सचेत किया है। राजधानी लखनऊ में यह कार्यक्रम स्थानीय वी0एन0 सिंह प्रतिमा स्थल पर अपरान्ह 3 बजे से आयोजित किया गया, जिसमें शीर्ष प्रान्तीय पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स कई सेवारत संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष अमरनाथ यादव, प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 दिनेश चन्द्र शर्मा एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य सुरेश कुमार त्रिपाठी ने विभिन्न जनपदों से प्राप्त सूचना के आधार पर दावा किया कि पूरे प्रदेश भर में आज के आन्दोलन में पचास हजार से अधिक शिक्षक कर्मचारी पेंशनस ने भाग लेकर सामूहिक आवाज बुलन्द कर सरकार की तंद्रा तोड़ने के लिये चेतावनी दिया है। यहाँ आमसभा को सम्बोधित करते हुये अध्यक्ष अमरनाथ यादव एवं महामंत्री ओ0पी0 त्रिपाठी ने कहा कि हमारी बड़ी चिन्ता यह है कि 16 जनवरी 2025 प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में

केन्द्रीय कैबिनेट की बैठक में 8वें केन्द्रीय वेतन आयोग के गठन का निर्णय लिया था, तब कहा गया कि आयोग की रिपोर्ट 1 जनवरी 2026 से लागू कर दी जायेंगी, पर सरकार की उदासीनता और बादाखिलाफी का आलम यहहै कि 6 माह का समय बीत गया, अभी तक आयोग के गठन, अध्यक्ष/सदस्यों की नियुक्ति एवं टम्से आफ रिफरेश का गजट नोटीफिकेशन तक जारी नहीं किया। उन्होंने सेवारत की भांति सेवानिवृत्त कार्मिकों के भी वेतन, पेंशन भत्ते पुनरीक्षण किये जाने का मु?द्दा उठाया। अखिल भारतीय पेंशनर फेडरेशन के उपाध्यक्ष एस0पी0 सिंह एवं राष्ट्रीय सचिव एस0के0 मिश्रा तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष बी0एल0 कुशवाहा ने कहा कि पेंशनरों की भारी चिन्ता का दूसरा विषय संसद से पारित वित्त विधेयक 2025 के माध्यम से सी0सी0एस0 (पेंशन) रूल्स में किया गया बदलाव है जिसके द्वारा सरकार को सेवानिवृत्ति की तिथि के आधार पर पेंशनर्स में भेद करने का अधिकार मिल गया है वेतन का टर्म्स आफ रेफरेन्स सामने आने पर ही पता चल पायेगा कि पुराने पेंशनर्स के प्रति सरकार/आयोग का क्या दृष्टिकोण है। माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष/प्रवक्ता डॉ0 आर0पी0 मिश्र, महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष सुपांशु मोहन ने राज्य सरकार के उस फैसले पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है, जिसमें अनिवार्य शिक्षा अधिनियम को दरकिनार करते हुये लगभग 11000 प्राथमिक विद्यालयों की बन्द कर दिया है. इसका गहरा विपरीत प्रभाव गरीब बच्चों की पढ़ाई पर पड़ने के साथ-साथ शिक्षकों कर्मचारियों पर भी पड़ेगा।

उन्होंने सरकार को यह निर्णय रद्द करने के लिये सचेत किया। पेंशनर/संगठन के अखिल भारतीय कर्मचारी महासंघ के उपाध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि सरकार की उदासीनता के चलते पुरानी पेंशन योजना की बहाली, कोरोना काल के 18 महीने के फ्रीज्ड डी0ए0 डी0आर0 के एरियर का भुगतान एवं पेंशन के राशिकरण की 15 साल तक हो रही कटौती को घटाकर 10 वर्ष पर पूरी पेंशन बहाली की मांग भी लम्बित पड़ी हुई है. जिससे असंतोष व्याप्त है। सभा को सर्व ओ0पी0 राय, बी0के0 सिंह, लखनऊ जनपद अध्यक्ष अंगद सिंह सचिव आर0सी0 उपाध्याय, आर0पी0 अवस्थी, नरेन्द्र प्रताप सिंह, गंगाधर निरंकारी, गोपी कृष्ण पाठक, श्याम सिंह राठौर, दिनेश चन्द्र बाजपेयी, आर0डी0 कनौजिया, अशोक कुमार मौर्या, रामस्वरूप कश्यप, एस0के0 अवस्थी, ए0के0 मिश्रा एस0ए0 सिद्दीकी, सम्भू लाल गुप्ता, गंगा राम गौतम, कमलेश पाठक, एस0के0 पाण्डेय, राजकुमार सिंह, गंगा राम यादव, रामजन्म यादव, दया राम सोनकर, राम नरेश यादव, सबिदानन्द सिंह, जी0एस0 कुशवाहा, अक्षय लाल वर्मा आदि ने सम्बोधत किया।

रोड हादसे में एक की मौत दूसरा गंभीर रूप से घायल जिला अस्पताल रेफर

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली- कोतवाली महराजगंज के चौकी थुलवासा क्षेत्र में स्कूटी व मोटरसाइकिल की भिड़ंत हो गई। हादसे में 38 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस पर दोनों को लादकर सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों के कुशल दल ने एक की नब्ज टटोलते ही मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे घायल का प्राथमिक उपचार कर उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है, स्थितियों नाजुक बताई गई है।

आपको बता दें कि, घटना मंगलवार दोपहर लगभग 12¬00 की है। महराजगंज कोतवाली के चौकी थुलवासा क्षेत्र के याकूबगंज के पास की है। बताते हैं कि, सोथी गांव का रहने वाला ज्ञान सिंह (38) पुत्र जय बहादुर अपने घर से थुलवासा बाजार स्थित ब्यूटी पार्लर की दुकान पर खाना देने अपनी स्कूटी से जा रहा था, तभी याकूबगंज के पास रायबरेली की तरफ से आ रहे मोटरसाइकिल सवार नीरज (30) पुत्र अमृतलाल चौहान निवासी पुरे तिवारी मजरे बावन बुजुर्ग बल्ला की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में ज्ञान सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रायबरेली की ओर से आ रहा दूसरा मोटरसाइकिल सवार नीरज गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची 108 एंबुलेंस और पुलिस ने दोनों को एंबुलेंस पर लादकर सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने ज्ञान सिंह को मृत घोषित करते हुए दूसरे घायल

नीरज का प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। खबर लिखे जाने तक जिला चिकित्सालय में चोटहिल का इलाज किया जा रहा था। उधर पुलिस ने घटना में अपनी जान गवा चुके ज्ञान सिंह के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

अशरफपुर किछौछा नगर पंचायत में स्ट्रीट लाइट टेंडर को लेकर चर्चाएं तेज, फर्जी भुगतान की आशंका

अंबेडकरनगर। नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा द्वारा जेम पोर्टल पर 40 स्ट्रीट लाइट लगाने हेतु टेंडर जारी किया गया है। टेंडर में केवल लाइट की गुणवत्ता का उल्लेख किया गया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि लाइटें कहां-कहां लगाई जानी हैं। टेंडर 12 जुलाई 2025 को खुलना प्रस्तावित था, लेकिन माह का दूसरा शनिवार होने के कारण नहीं खुल सका। इसी बीच नगर पंचायत अध्यक्ष के करीबी एक सभासद द्वारा यह खुलासा किया गया कि पूर्व में लगाई गई स्ट्रीट लाइटों का फर्जी भुगतान करने की मंशा से यह टेंडर जारी किया गया है। इस खुलासे के बाद नगर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या पहले से लगी लाइटों का भुगतान अब नए टेंडर के माध्यम से किया जाएगा? चर्चाओं का रुख इस ओर भी है कि कहीं नगर पंचायत जिला पंचायत की तरह पूर्व में कराए गए कार्यों का भुगतान कराने के लिए तो टेंडर जारी नहीं कर रही। गौरतलब है कि हाल ही में जिला पंचायत अम्बेडकरनगर को भी इसी तरह के आरोपों के चलते हुए कार्यों को टेंडर से हटाना पड़ा था और प्रेस विज्ञप्ति जारी करनी पड़ी थी। नगरवासियों के बीच इस बात की चर्चा भी है कि कुछ दिन पहले नगर में जो त्रिशूल-डमरू चिन्ह वाली स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थीं, कहीं उन्हीं लाइटों का भुगतान कराने की योजना तो नहीं बनाई जा रही। लोगों का कहना है कि इन लाइटों का वीडियो नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता के फेसबुक पेज सहित कई सोशल मीडिया अकाउंट पर पहले से ही साझा किया जा चुका है। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि पहले से प्रचारित लाइटों का भुगतान नए टेंडर के जरिए कैसे संभव

होगा?

फिलहाल, सच्चाई सामने आने के लिए टेंडर खुलने और वर्क ऑर्डर जारी होने का इंतजार किया जा रहा है। टेंडर किस फर्म को मिलता है और कार्य कब, कहां, किस प्रकार होता है, इसकी जानकारी मिलने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। तब तक चर्चाओं का दौर जारी है।

संक्षिप्त खबरें

बारिश न होने से किसान मायूस

सिद्धार्थनगर। पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से बारिश न होने से धान की फसल प्रभावित हो रही है। सोमवार को दोपहर बाद आसमान में घनघोर बादल छाए लेकिन कुछ देर बाद खत्म हो गए । बादलों की आंख मिचौली से किसान मायूस है। इसीतरह बारिश नही हुई तो धान की फसल बर्बाद हो जायेगी।

नाली मरम्मत और सफाई की मांग

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार नगर पंचायत के कृष्णा नगर वार्ड में क्षतिग्रस्त नाली और नाली में गंदगी से नागरिक परेशान है। वार्ड के नागरिक तारकेश्वर पाण्डेय ने बताया कि नाली से उत्पन्न हो रही दुर्गंध से लोगो का उठना बैठना मुहाल हुआ है। उन्होंने संबंधित जिम्मेदारों से इसकी शिकायत भी किया, लेकिन कोई ध्यान नही दे रहा हैं। उन्होंने प्रशासन से इस समस्या को दूर करने की मांग की है। इस संबंध में ईओ अभिनव श्रीवास्तव ने कहा की जांच कर वार्ड की समस्या दूर की जाएगी।

श्रवण मास के प्रथम सोमवार पर भंडारे का आयोजन

सिद्धार्थनगर। जिले के उसका रोड बेलहिया चौराहे के पास श्रवण मास के प्रथम सोमवार को आयुष्मान हॉस्पिटल एंड फैक्चर क्लिनिक के प्रबंधक डॉ विकास चौधरी के द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आशीष त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि वार्ड नंबर 1 बाल्मीकि नगर के सभासद जंग बहादुर वरुण, आरपी चौरसिया अतुल वर्मा रहे। इस दौरान ध्रुवचंद, डॉक्टर अविनाश जयसवाल,डॉ सी बी चौधरी, डॉ विकास पटेल, डॉक्टर करन जैन, अभिमन्यु डॉ सुशील पटेल, डॉ सोमनाथ चौधरी, डॉ रमाकांत, उमेश वर्मा आशीर्वाद हॉस्पिटल के प्रबंधक राजकुमार, नवजीवन हॉस्पिटल के प्रबंधक डॉ अजय यादव, अखिलेश यादव, दुर्गेश यादव, रवि चौहान, वैभव सिंह, दिव्यांश मिश्रा, आलोक सिंह, सरवन चौधरी डॉ मोहित वर्मा अनिल चौधरी सोनू वरुण पित्तेश्वर अर्जुन यादव, सुरेंद्र, राजनीश, भोलू तिवारी, सोनू वर्मा, रोशन जहां, अखिलेश गुप्ता, दुर्गेश, वरुण, पवन मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

जेपी मौर्य अध्यक्ष एवं कौशल बने नगर मंत्री

एबीवीपी की नवीन कार्यकारिणी गठित

नवीन दायित्ववान कार्यकर्ताओं का पटका पहनकर किया गया अभिनंदन

पुवायां, शाहजहांपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शाहजहाँपुर की पुवायां नगर इकाई का सत्र 2025- 2026 की कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवीन कार्यकारिणी की घोषणा चुनाव अधिकारी प्रान्त प्रमुख खेलो भारत रविकांत शुक्ला ने की। सभी नवघोषित दायित्वधारियों का पट्टिका पहनाकर स्वागत किया गया ।उन्होंने शिक्षक एवं छात्रों को परिषद के विषय मे अवगत कराते हुए कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन होने के साथ ही सामाजिक संगठन भी है। विद्यार्थी परिषद ने छात्र हितों के साथ उनके मानसिक,नैतिक एवं चारित्रिक विकास पर सदैव ध्यान दिया है और इसी कार्यपद्धति के कारण विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता सभी क्षेत्रों में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। नवीन नगर इकाई में जेपी मौर्य को नगर अध्यक्ष, विनोद वर्मा, सनजय मिश्र एवं आफताब को उपाध्यक्ष, कौशल मिश्रा को नगर मंत्री, आदेश शर्मा,अर्जुन विश्वकर्मा, सोरवी गुप्ता एवं करन मिश्रा को सहमंत्री, रोचक पटेल को एसएफएस संयोजक, सत्यम पांडेय को एसएफडी संयोजक, विकास बाजपेई को सोशल मीडिया संयोजक, अंशिका सिंह को राष्ट्रीय कला मंच संयोजक, दिलीप शर्मा को खेलो भारत संयोजक, आंदोलन प्रमुख अरविंद मौर्य, कृष्णा गुप्ता को मीडिया संयोजक एवं अर्पित मौर्या, किंशुक शुक्ला, नीरज गौतम, ज्ञानेश,अमन,को नगर इकाई की कार्यकारिणी का सदस्य घोषित किया गया।

इस अवसर पर जिला संयोजक योगेन्द्र मिश्र, वरिष्ठ कवि डॉ.प्रदीप वैरागी, तहसील प्रमुख विपिन त्रिपाठी, प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य अमन मिश्रा, विभाग सह छात्रा प्रमुख उपासना मिश्रा, खेलो भारत जिला संयोजक जितिन मिश्रा, विवेकानंद कॉलेज इकाई अध्यक्ष प्रवीण मिश्रा सहित परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गम्भीरा दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज के निर्माण कार्य और छोटे भूविरबंद बटालियन कैंप की बिल्डिंग के काम का निरीक्षण सांसद कृपानाथ ने किया

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि- श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा की दुल्लभछड़ा-निभिया-चेरागी-रंगपुर क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग के मद्देनजर उस समय के लोकप्रिय विधायक कृपानाथ मालाह ने निभिया के निकट गम्भीरा में दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज की स्थापना का प्रस्ताव रखा था ताकि छात्रों को लंबी दूरी तय करने और यात्रा भाड़ा देकर रामकृष्णनगर कॉलेज में जाने की आवश्यकता न पड़े। हालांकि छात्रों को यह समस्या निरंतर परेशान कर रही थी। गत 14 जुलाई (सोमवार) को कॉलेज के काम की प्रगति देखकर वे बेहद खुश हुए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय विशिष्ट जनों ने सांसद का स्वागत किया। पत्रकारों के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्री के निर्देश पर वह इस कॉलेज का निरीक्षण करने आए हैं। लेकिन काम पूरा होने में अभी पांच प्रतिशत बाकी है, जो बहुत जल्द हो जाएगा, लेकिन अगले शैक्षणिक वर्ष से इस कॉलेज में पढ़ाई शुरू होगी। और काम पूरा होने के बाद वह परियोजना रिपोर्ट भेजेंगे जिसके आधार पर उद्घाटन के दिन की पुष्टि की जाएगी। अंत में छोटे भूविरबंद बटालियन कैंप 15आई आर बटालियन कैंप के भवन के काम की प्रगति का निरीक्षण करते हैं। इस बीच सांसद मालाह बटालियन कैंप की समस्याओं पर एसपी के साथ चर्चा करते हैं जो अगले 16 जुलाई को छोटे भूविरबंद बटालियन कैंप आएंगे। साथ ही नेटवर्क समस्याओं के एयरटेल सेवा के नेटवर्क समस्या समाधान के लिए अधिकारियों के साथ चर्चा करते हैं

ताकि नेटवर्क समस्या जल्द जल्द से जल्द समाप्त हो सके। बिल्डिंग के काम का निरीक्षण करते समय सांसद कृपानाथ के साथ क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति थी।

प्रशासन की कार्रवाई पर पूर्व विधायक ने सीएम व जिला प्रशासन को किया धन्यवाद ज्ञापित

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। प्रशासन द्वारा चौखड़ा स्थित फागू बाबा की मजार को ध्वस्त हो जाने के उपरांत जिला परिषद मार्केट स्थित भाजपा कार्यालय पर एक प्रेस वार्ता आयोजित हुई, जिसमें पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने इस कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व स्थानीय प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान चल रहा हैं। जहां हजारों की संख्या में सीधी साधी महिलाओं को गुमराह करके मन्नत मांगने के नाम और मन्नत पूरा होने के नाम पर ठगा जाता था, हजारों हजार की संख्या में महिलाएं मन्नत मांगने जाती थी। व्यवसाय कुछ मौलवियों का चलता था, हमें जानकारी मिली कि यह जमीन पशुचर की हैं, अवैध तरीके से मजार बनाई गई हैं, जिस पर एक सपा के विधायक व सपा के सांसद द्वारा सरकारी निधि का दुरुप्रयोग करके उस पशुचर के भूमि पर मजार के नाम पर पैसा दिया गया हैं। यह सपा का दोहरा चरित्र हैं। प्रशासन ने बहुत अच्छा निर्माण लिया, जांच पड़ताल किया अवैध सारी गतिविधियां सही पाई गई पचासों पचास की संख्या में महिलाएं रात में वहां मन्नत के नाम पर रुकती थी। इसी लिए मजार ध्वस्त होना बहुत जरूरी था। इसके लिए हम यहां के जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम बदलिया स्थित राजकीय डिग्री कॉलेज के बगल में पशुचर भूमि पर अवैध रूप से बनी एक मजार को प्रशासन ने हटवा दिया। यह ज़मीन जनता की थी, जिस पर कुछ लोगों ने धर्म की आड़ में कब्ज़ा कर रखा था और भोले-भाले लोगों को दुआ-भभूत के नाम पर गुमराह किया जा रहा था। सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार में कानून सबसे ऊपर है, और बुलडोजर उसी कानून का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के ऊपर प्रहार करते हुए बताया कि पहले अखिलेश यादव की सरकार में कब्रिस्तानों की दीवारों पर सरकारी बजट का पैसा खर्च होता था, गाँव-गाँव में सरकारी ज़मीनों पर कब्ज़े कर कब्रिस्तान बनाए जा रहे थे। विकास की बजाय कब्रिस्तान पहले नज़र आते थे। लेकिन अब जनता की ज़मीन पर सिर्फ जनता का अधिकार चलेगा, न कि तुष्टिकरण की राजनीति होगी।

शिक्षा, व्यक्ति समाज और देश की अनिवार्य आवश्यकता है- जावेद

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। शिक्षा, किसी भी व्यक्ति समाज और देश की अनिवार्य आवश्यकता है। देश के गांव गरीब के बच्चों को बेहतर माहौल में शिक्षा मिल सके, इसलिए क्षेत्र के समस्त विद्यालय को मूलभूत सुविधाओं आवश्यकताओं और भौतिक संसाधनों से सुसज्जित किया जा रहा है। क्षेत्रीय जनता को चाहिए कि अपने बच्चों का शत प्रतिशत परिषदीय विद्यालय में नामांकन कराएं, देश के नौनिहाल बच्चों का भविष्य बेहतर बनाएं। ये बातें नगर पंचायत कपिलवस्तु के अध्यक्ष प्रतिनिधि जावेद अहमद ने सोमवार को कंपोजिट विद्यालय सूर्यकुडिया में स्कूल चलो एवं विशेष नामांकन अभियान की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ना हम सभी का दायित्व है। खण्ड विकास अधिकारी विजय सिंह ने छात्र छात्राओं और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा आप सब अपने बच्चों को शत प्रतिशत परिषदीय विद्यालयों में नामांकन कराएं, खण्ड शिक्षा अधिकारी रामू प्रसाद ने कहां कि बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन और नामांकन के बाद गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना आप सब की नैतिक जिम्मेदारी है।

पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री कलीमुल्लाह ने कहा कि शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और विकास विभाग के समेकित सहयोग से ही शत प्रतिशत नामांकन संभव है। उन्होंने सभी से

सहयोग का आह्वान किया। इस अवसर पर शमशुल हक, आशीष कुमार सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ बर्डपुर के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार मिश्र, अब्दुल अज़ीज़, सुशील कुमार, सिंह, विजय चौधरी, राम प्रकाश, अभिषेक यादव, बलवंत चौधरी, केशव मणि मिश्र, सेराज अहमद, आराधना चौधरी, सरिता गौतम, सुनीता, रेनू यादव आदि उपस्थित रहे।

श्रावण मास में शिव मंदिरों की सफाई व्यवस्था को लेकर सख्त हुई जिलाधिकारी नेहा शर्मा

● पंचायत राज अधिकारी को भेजा कड़ा पत्र, किसी भी स्तर पर लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। श्रावण मास के दौरान जिले में शिव मंदिरों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ के मद्देनजर जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर रुख अपनाया है। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी श्री लालजी दुबे को एक कड़ा पत्र जारी कर लापरवाही पर गहरी नाराज़गी जताई है।पत्र में जिलाधिकारी ने कहा है कि जनपद के प्राचीन शिव मंदिरों ङ्क जैसे पृथ्वीनाथ, दुखहरननाथ, करोहानाथ, बलेश्वरनाथ, बरखण्डीनाथ आदि ङ्क पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है, विशेषकर श्रावण के सोमवारों को। इसके बावजूद, मंदिर परिसर और मार्गों की सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि प्रतिदिन सुबह और शाम 'वार रूम' के माध्यम से सफाई अभियान की मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष बल दिया कि शिव मंदिरों के प्रांगण और उनके रास्तों पर किसी भी प्रकार की गंदगी न रहनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान यदि निर्देशों का अनुपालन संतोषजनक नहीं पाया गया, तो प्रतिकूल कार्रवाई की जाएगी। इस पत्र की प्रतिलिपि मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी तथा नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को भी प्रेषित की गई है, जिससे नगर क्षेत्र में भी साफ-सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित हो सके।

क्या यही है स्वच्छ भारत मिशन-विद्यालय परिसर के पास गंदगी का अंबार, जिम्मेदारों की लापरवाही पर भड़के संघ पदाधिकारी

● प्रबंधक बोले- कई बार शिकायत की, फिर भी नहीं हटाया गया कूड़ा

गोंडा। स्वच्छ भारत अभियान के तहत देशभर में साफ-सफाई को लेकर करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे बिलकुल उलट है। इसी का एक उदाहरण सामने आया जब आरएसएस संघ प्रमुख गोंडा से मुलाकात के लिए पहुँचे डॉ. रवि चतुर्वेदी और डॉ. दिलीप तिवारी विद्यालय परिसर के पास की स्थिति देखकर स्तब्ध रह गए।दरअसल, जिस विद्यालय परिसर में यह भेंट होनी थी, उसके ठीक बगल में वर्षों से कूड़े का ढेर जमा है। खुले में पड़ा यह कूड़ा न केवल विद्यालय के वातावरण को दूषित कर रहा है बल्कि छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य पर भी खतरा बन चुका है। गंदगी से उठती दुर्गंध, मच्छरों और सड़न ने पूरे क्षेत्र को नारकीय बना रखा है। डॉ. चतुर्वेदी ने मौके पर ही स्थिति का जायज़ा लिया और नाराज़गी जताते हुए कहा, "यह दृश्य देखकर स्वच्छ भारत मिशन की सच्चाई उजागर हो गई है। प्रधानमंत्री की अपील पर करोड़ों लोग झाड़ू उठाते हैं, लेकिन यहां प्रशासन की आंखें बंद हैं। अगर व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो मैं स्वयं डीएम महोदया से मिलकर लिखित शिकायत

करूंगा।"

विद्यालय प्रबंधक ने भी जताई नाराज़गी

विद्यालय प्रबंधक सुधाकर पांडेय ने बताया कि इस गंदगी के संबंध में कई बार जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से शिकायत की गई है। "हमने लिखित और मौखिक रूप से कई बार समस्या रखी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों पर इसका बुरा असर पड़ रहा है।"

स्थानीय लोगों का आक्रोश, जल्द सफाई की मांग

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और समाजसेवी भी मौके पर पहुंच गए और प्रशासन के खिलाफ नाराज़गी जताई। उन्होंने हाथ उठाकर विरोध प्रकट किया और मांग की कि इस गंदगी को अविलंब हटाया जाए। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्यवाही नहीं हुई, तो सामूहिक रूप से धरना-प्रदर्शन किया

जाएगा।

क्या कहते हैं जिम्मेदार अधिकारी

ग्राम पंचायत के तथा जिला प्रशासन की चुप्पी इस मामले को और गंभीर बना रही है। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस लापरवाही का कब तक संज्ञान लेते है और विद्यालय परिसर के पास फैली गंदगी से छात्रों और शिक्षकों को कब निजात मिलती है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी से संपर्क किया गया तो संपर्क नहीं हुआ वहीं ग्रामीण तथा विद्यालय प्रशासन द्वारा बताया गया की यह समस्या काफी दिनों से बनी हुई है।

ट्रक को बचाने के चक्कर में ई रिक्शा पलटा, दो कावड़िये घायल

शाहजहांपुर। जनपद के थाना अल्लाहगंज के क्षेत्र ग्राम गोरा मोड के निकट सामने से आ रहे ट्रक को बचाने में प्रयास में ई रिक्शा पलट गया. जिससे ई रिक्शा में बैठे कावड़ लेकर गोला जल चढ़ाने जा रहे गया सिंह निवासी ग्राम खमरिया ब सुरजीत सिंह निवासी थाना अल्लाहगंज क्षेत्र के ग्राम धर्मपुर पड़रिया घायल हो गए।जबकि ई रिक्शा चालक चंदन बाल बाल बच गया दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जलालाबाद में भर्ती कराया गया जहां गया सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया. खबर मंगलवार सुबह 7:00 बजे की है।थाना प्रभारी अल्लाहगंज ने बताया कि दोनों घायल कावरियों को एंबुलेंस से जलालाबाद सीएससी पर भर्ती कराया गया जहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर के लिए रेफर कर दिया गया।

श्रीभूमि जिले के निभिया क्षेत्र में बिजली समस्या को लेकर सांसद मालाह की सक्रिय भूमिका की स्थानीय लोगों ने सराहना की

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि- रामकृष्णनगर विधानसभा के निभिया क्षेत्र में बिजली की समस्याओं स्कूल के छात्रों, रोगियों, सरकारी कर्मचारियों, दैनिक व्यापारियों, और अन्य लोगों को । इस विषय में गत 14 जुलाई (सोमवार) को निभिया के पास स्थित गंभीरा के दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज का दौरा करते हुए श्रीभूमि के सांसद कृपानाथ मालाह ने निभिया की बिजली समस्या के बारे में स्थानीय लोगों को सूचित किया कि क्षेत्र के लोग बिजली की समस्याओं और लाइनों के काम में देरी के बारे में स्थानीय लोगों की ओर से अवगत कराया गया। इसके बाद श्रीभूमि के लोकप्रिय सांसद ने तत्कालीन बिजली विभाग के अधिकारि आगमन के साथ फोन पर बातचीत की और बंद पड़े काम को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। उस निर्देश के अनुसार आज 15 जुलाई (मंगलवार) को दुल्लभछड़ा बिजली विभाग के कर्मचारी और कंपनी के लोग निभिया क्षेत्र का निरीक्षण करने आए और बताया कि काम 17 जुलाई से शुरू होगा। निरीक्षण में लेज़र कंपनी के कर्मचारी, बिजली विभाग के इंजीनियर, जेई, लाइनमेन, कंपनी के ठेकेदार और क्षेत्र के प्रमुख लोग सहित आम नागरिक उपस्थित थे। इस बारे में क्षेत्र के लोगों ने सांसद मालाह की सक्रिय भूमिका की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

अरुणाचल प्रदेश में दो असमिया युवकों की हत्या के विरोध में टी,एम,पी,के की सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन

● असम ओर अरूणाचल दोनों राज्यों के उच्च स्तरीय प्रशासनिक वार्ता और न्याय का आश्वासन दिए जाने के बाद सामुहिक रूप से स्थगित रखा 5 कार्यक्रम।

स्वतंत्र प्रभात

धेमाजी असम। अरूणाचल प्रदेश में अन्य राज्य के लोगों के उपर हमला एवं हत्या के घटना दिन तो दीन बढ़ती जा रही है। गत 18 जून को असम के धेमाजी जिले की डेकापाम के 22 वर्षीय युवक प्रभाश दले को को गोले काटकर हत्या कर दिया था। युवक काम की सिलसिले में अरूणाचल प्रदेश की रोइंग मे रहता था। इस घटना के एक महीने बीता नहीं था गत 13 जुलाई को प्रदेश की राजधानी शहर ईटानगर में असम विश्वनाथ जिले की 29 वर्षीय शंकर पेगू को एक दरिंदे ने गोली मारकर हत्या कर दिया।

इस हत्याकांड के विरुद्ध एवं पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आज सुबह से मिसिंग समुदाय के संगठन टी, एम, पी, के ने हत्याओं के विरोध में असम और अरुणाचल प्रदेश को जोड़ने वाली सभी सड़कों को जाम कर प्रदर्शन किया। सिलापथार डोनी- पोलो खेल प्रकल्प के सामने असम अरूणाचल से जोड़ने वाले लिकाबली रोड को जमा कर, पीड़ितो की परिवारों को न्याय देने की मांग में अरूणाचल सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

दुपहर को असम सरकार के मुख्य सचिव और अरूणाचल प्रदेश की मुख्य सचिव स्तर के एक चर्चा ओर आम के मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद,मिचिंग छात्र संगठन (TMPK) ने अरुणाचल प्रदेश से जोड़ने वाली अपनी सामूहिक सड़क नाकेबंदी स्थगित कर दी। संगठन के अध्यक्ष तिलक दले ने अरुणाचल प्रदेश के उपायुक्त के माध्यम से अरुणाचल सरकार को एक ज्ञापन भेजकर असम के प्रभाष दले और शंकर पेगु के लिए न्याय की मांग करते हुए प्रदर्शनकारियों ने अरुणाचल सरकार से आने वाले दिनों में असम से अरुणाचल प्रदेश जाने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

रेस्टोरेंट संचालक ने रोड के किनारे जनरेटर रखकर किया अतिक्रमण

● पालिका के जिम्मेदार अधिकारी भी देख कर-कर रहे नजरअंदाज

स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका अंतर्गत बसखारी रोड पर सड़क किनारे स्थाई जनरेटर रखकर रेस्टोरेंट संचालक ने किया अवैध अतिक्रमण। नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी भी देख कर-कर रहे नजरअंदाज वही विगत कुछ दिनों पहले नगर पालिका परिषद अकबरपुर द्वारा शहर के मुख्य मार्गो से अतिक्रमण हटाया गया और कुछ दुकानदारों पर जुर्माना भी लगाया गया था।

अभियान का मुख्य उद्देश्य नालियों और सड़कों को अतिक्रमण से मुक्त करना था ताकि जल निकासी और सड़कों पर भीड़भाड़ की समस्या ना हो सके, बताते चलें कि मिस्टर सैंडविच रेस्टोरेंट जिला मुख्यालय से चंद कदमों की दूरी पर बसखारी रोड पर संचालित है। रेस्टोरेंट संचालक द्वारा मनमानी तरीके से रोड के किनारे मिट्टी पटवा कर जनरेटर रखकर अवैध अतिक्रमण किया गया है जिससे बगल से होकर गुजरने वाला लिंक मार्ग भी जल भराव की चपेट में आ गया है। उक्त मार्ग से मोहल्ले के लोगों का आना-जाना लगा रहता है।

लेकिन अतिक्रमण के चलते बरसात का पानी नहीं निकल पा रहा है जिससे बगल के कॉलोनी में जाने वाली रोड पर कीचड़ और जल भराव जैसी समस्या उत्पन्न है। इसका खामियाजा आते जाते राहगीरों को झेलना पड़ रहा है, वहीं कुछ लोगों ने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि रेस्टोरेंट संचालक द्वारा जो स्थाई जनरेटर रखा गया है नगर पालिका को भली भांति पता है।

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को लेकर आयुक्त ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

● सभी डीएम व एसपी को कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

देवीपाटन मंडल। आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने श्रावण मास के अवसर पर आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर मंडल के सभी जिलाधिकारियों (डीएम) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करने को कहा है। यात्रा मार्ग पर प्रकाश, जल और बैरियर की समुचित व्यवस्था हो

आयुक्त ने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट, स्वच्छ पेयजल, बैरियर और शीतल छाया की व्यवस्था हो। साथ ही, विद्युत तारों की स्थिति की जांच कर जर्जर या ढीले तारों को समय रहते बदला जाए और खुले ट्रांसफॉर्मरों की उचित गार्डिंग की जाए। भारी वाहनों पर प्रतिबंध और रूट डायवर्जन की एडवाइजरी जारी हो उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर जहाँ आवश्यक हो वहाँ भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित किया जाए और वैकल्पिक मार्गों की सूची एवं तिथियाँ समाचार पत्रों व सोशल मीडिया पर प्रकाशित कर आमजन को सूचित किया जाए।

मादक पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध और फूड सेफ्टी पर विशेष निगरानी

कांवड़ यात्रा के दौरान शराब, मांस, मछली, अंडे आदि की बिक्री को प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि धार्मिक भावना आहत न हो और कोई अप्रिय घटना न हो। खाद्य विभाग को फूड प्वाइजनिंग से बचाव हेतु सतर्क रहने को कहा गया है।डीजे व ध्वनि नियंत्रण, धार्मिक स्थलों पर पार्किंग की व्यवस्था आयुक्त ने डीजे संचालकों को न्यायालय के आदेशानुसार ध्वनि सीमा का पालन कराने हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। प्रमुख शिव मंदिरों के पास उचित पार्किंग की व्यवस्था कराई जाए ताकि यातायात बाधित न हो। रेलवे यात्राओं पर सतर्कता, हथियार व लाउडस्पीकर पर रोक

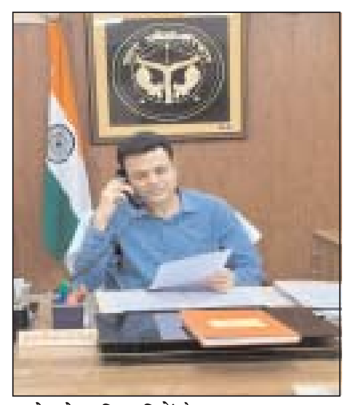

रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी यात्री या श्रद्धालु ट्रेन की छत पर यात्रा न करे। डीजे, लाउडस्पीकर या घातक वस्तुएँ लेकर यात्रा न हो, इसके लिए पहले से मुनादी कराई जाए। चिकित्सा सुविधा, कंट्रोल रूम और पेट्रोलिंग की व्यवस्था हो सुदृढ़ आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाइयाँ एवं डॉक्टरों की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। आकस्मिक घटनाओं से निपटने हेतु सभी विभागों के सहयोग से बचाव योजनाएं तैयार रहें और संपूर्ण यात्रा मार्ग पर नियमित पेट्रोलिंग कराई जाए।